सिंह तोमर, पोस्ट डाक्टोरल फेलो,

...लय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110001

मोबाइल:–9389766228, 7376681850

/ अप्रैल–2018 / दिनांक–0...–04–2018

महामहिम राज्यपाल,
उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ।

अति आवश्यकीय एवं गोपनीय

विषयः दरिद्र कल्याण योजनाओं के फर्जीबाड़े, असहाय विडो–वृद्धा–विकलांग पेंशन एवं अंत्योदय–गृहस्थ राशन के दुर्पयोग पर अंकुश हेतु।

महोदय,

मैंने दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु अन्त्योदय, बी.पी.एल., अन्त्योदय, विधवा–दरिद्र–वृद्धा पेंशन, अन्त्योदय, पात्र गृहस्थी राशन सूचियाँ लेकर फर्रूखाबाद जिले के 7 ब्लाकों की 317 ग्रामसभाओं व 6 नगरों के 117 वार्डस में घर–घर जाकर व्यक्तियों की दरिद्रता की स्थिति का अवलोकन एवं वार्ता कर ब्यान लिखे। जिसके परिणामस्वरूप प्राप्त तथ्य निम्नलिखित हैं।

1. फर्रूखाबाद जिले के ग्रामीण व नगर क्षेत्रों में दरिद्रों के स्थान पर फर्जी दरिद्रों को असहाय विडो–वृद्धा–बिकलांग–समाजवादी पेंशन एवं अन्त्योदय–बी.पी.एल.राशन, आवास–शौचालय लाभ मिला / जारी है। इन **अन्त्योदय** धारकों में 90–100%, कोटा **राशन** धारकों में 70% एवं **बी.पी.एल.** धारकों 80–90% एवं **असहाय** वृद्धा–विधवा–विकलांग एवं समाजवादी **पेंशन** धारकों में 80–95 %, लोहिया–इन्द्रा **आवास, शौचालय, गैस–विद्युत कनेक्शन** पाने वाले सक्षम व्यक्ति–परिवार हैं, जिनमें **अधिकांश के पास बड़े लेंटर मकान, नगरों में हवेलियाँ, कार, मोटरसाइकिल, कार, ट्रेक्टर, ट्रक, दूकान, व्यापार, नौकरी, पेंशन, भूमि, प्लाट्स, उद्योग, प्रतिष्ठान, पैतृक धन–सम्पत्ति आदि का स्वामित्व** हैं। अधिकांश **वृद्धों–विधवाओं** के लड़के शादीशुदा **सक्षम व्यक्ति** हैं। अधिकांश **बिकलांग** पेंशनर्स ऐसे हैं जो पूर्ण रूप से स्वस्थ्य–सक्षम या मामूली चोट निशान या 40% से बहुत कम अपंगता होने और पर्याप्त पैतृक आय–सम्पत्ति के बावजूद पेंशन ले रहे हैं तथा अनेक व्यक्ति और उनके परिजन नाम, जाति–वर्ग बदल कर एक ही परिवार में अनेक पेंशन–राशन ले रहे हैं। दरिद्रों के लिए बनीं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ **फर्जी दरिद्रों** द्वारा हड़पा जा रहा है और इस फर्जीबाड़ों में स्थानीय समितियों तथा भ्रष्ट अधिकारियों–कर्मचारियों का सहयोग–संरक्षण जारी है। जिसके कारण राष्ट्रीय विकास योजनाओं का धन दुर्पयोग होकर **दरिद्रता उन्मूलन योजनाएँ दरिद्रता विकास में बदली** हुई हैं।

2. गरीबों के कल्याण के लिए बनीं योजनाओं में निर्धारित नियमों की उपेक्षा कर फर्रूखाबाद जनपद में रजिस्टर्ड–फर्जी दरिद्रों द्वारा अर्थात् रहीसों द्वारा बड़ी मात्रा में गरीबों का गेंहू, चावल, तेल, चीनी, सरकारी इंदिरा–लोहिया–कांशीराम आवास, जमीन–प्लाट पट्टा, उद्योग, बीमा, समाजवादी–वृद्धा–असहाय–विधवा–विकलांग पेंशन, दान–अनुदान व राष्ट्रीय सम्मान आदि फर्जीबाड़ा से हड़प कर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं कर रही हैं। सांसद एवं विधायक निधियों एवं हैंडपम्प तथा विकास का धन सार्वजनिक स्थलों–स्कूलों के स्थान पर न लगाकर रहीसों के निजी आवासों, प्लाटों, प्रतिष्ठानों, स्कूलों में लगाए गए / जा रहे है। राशन–कोटे की दूकानें स्त्रियों–रहीसों को आबंटित होकर विरासत के रूप में राशन-तेल ब्लैक हो रहा हैं। राशन दूकानें नियमित नही खुलती हैं यह माह में मात्र 1–2 दिन खुलकर अधिकारियों की अनुपस्थित में थोड़ा–बहुत राशन वितरण होकर कागजी खानापूर्ति हो रहीं है। इन दूकानों से कोटे का राशन–तेल ब्लैक होकर खुलेआम बाजार की दूकानों पर बिक रहा है।

3. जिले के अधिकांश ग्राम सचिवालयों, बरातगृहों, सहकारी समितियों, स्वास्थ्य भवनों में दबंगों ने ताले डालकर अवैध कब्जे कर लिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकांश केंद्र–उपकेंद्रों पर चिकित्सक की जगह वार्डब्याय एवं सफाईकर्मी रोगियों का इलाज कर रहे हैं जबकि अनेक चिकित्सक–फार्माशिस्ट स्वास्थ्य केंद्रों पर यदाकदा जाकर उपस्थित साइन करते हैं। सरकारी स्कूलों में एस.एम.सी.एवं आचार्य–प्राचार्यों के फर्जीबाड़े चरम पर हैं। अधिकांश सरकारी विद्यालयों छात्रहीन, शिक्षणविहीन एवं शिक्षक बाहुल्य हैं। इन विद्यालयों में जो छात्र पंजीकृत हैं उनमें अधिकांश निजी स्कूलों में पढ़ने वाले एवं कभी भी स्कूल न आने वाले भट्टाश्रमिक–कबाड़ी बच्चे हैं। फर्जी छात्र संख्या के आधार पर सरकारी स्कूलों में नौकरी–भर्ती जारी रखने के उद्देश्य फर्जीबाडे चरम पर हैं। इन स्कूलों की एस.एम.सी.के अध्यक्षों सहित रसोइयों बच्चे संबंधित स्कूलों में न पढ़ने एवं निरक्षर होने के बावजूद इनकी पदासीनता मेहरवानी पर आधारित है। इन स्कूलों में पढ़ाई स्तर अत्यन्त निम्न एवं घोटाला अत्यन्त उच्च है।

4. अधिकांश गावों में सफाई कर्मचारी के पद पर उच्च–पिछड़ी जाति–वर्ग के व्यक्ति पदासीन हैं जो स्वयं गलियाँ–नालियाँ सफाई नहीं करते हैं और बाल्मीक जाति के श्रमिकों को 200 रूपए दिहाड़ी मजदूरी देकर यदा–कदा गांव–सफाई कार्य की खानापूर्ति कराते हैं तथा ग्राम प्रधान एवं ए.डी.ओ.पंचायत को वेतन का कुछ हिस्सा नियमित देकर अपनी फर्जी ड्यूटी की उपस्थित हस्ताक्षर प्रमाणित कराकर स्वयं बिना काम किए वेतन के नाम पर सरकारी धन हड़प कर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं कर रहे हैं। इस तरह रहीस व्यक्ति–परिवार फर्जी दरिद्र बनकर सरकारी सुख–सुविधाओं को भोग कर मौज कर रहे है। जबकि वास्तविक दरिद्र ए.पी.एल.धारक या राशनकार्डविहीन होने से बुरी तरह दरिद्रता ग्रसित व संघर्षरत हैं।

5. केंद्र-प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ की पात्रता, आवेदन, स्वीकृत एवं धन आबंटन की औपचारिक प्रक्रिया निर्धारित है। जिसमें शासन के प्रशासकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की निगरानी एवं जबाबदेही उत्तरदायित्व निर्धारित है। इसके बावजूद फर्जी दरिद्रों द्वारा दुर्पयोग व वास्तविक दरिद्रों को लाभ की उपेक्षा देश–समाज के लिए घातक है।

अतः सुझाव सहित अनुरोध है कि दरिद्र कल्याण योजनाओं अन्त्योदय, बीपीएल., असहाय विधवा–वृद्धा–बिकलांग पेंशन, आवास, शौचालय, गैस–विद्युत कनेक्शन लाभ में मानकीय दरिदों मात्र को ही देकर एवं योजनाओं का लाभ दुर्पयोग–हड़पने वाले फर्जी दरिद्रों के विरुद्ध दंडनीय–वसूली कार्यवाही कर सरकारी धन के दुर्पयोग पर अंकुश लगाने का कष्ट करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

भवदीया

दिनांकः–0...–04–2018

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

सिंह तोमर, पोस्ट डाक्टोरल फेलो,

य अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110001

मोबाइल:–9389766228, 7376681850

ल–2018 / दिनांक–0 –04–2018

मुख्यमन्त्री,
उत्तर प्रदेश शासन लखनऊ।

अति आवश्यकीय एवं गोपनीय

विषयः दरिद्र कल्याण योजनाओं के फर्जीबाड़े, असहाय विडो–वृद्धा–विकलांग पेंशन एवं अंत्योदय–गृहस्थ राशन के दुर्पयोग पर अंकुश हेतु।

महोदय,

मैंने दरिद्रों की समस्याओं के निरीक्षण हेतु अन्त्योदय, बी.पी.एल., अन्त्योदय, विधवा–दरिद्र–वृद्धा पेंशन, अन्त्योदय, पात्र गृहस्थी राशन सूचियाँ लेकर फर्रूखाबाद जिले के 7 ब्लाकों की 317 ग्रामसभाओं व 6 नगरों के 117 वार्डस में घर–घर जाकर व्यक्तियों की दरिद्रता की स्थिति का अवलोकन एवं वार्ता कर ब्यान लिखे। जिसके परिणामस्वरूप प्राप्त तथ्य निम्नलिखित हैं।

1. फर्रूखाबाद जिले के ग्रामीण व नगर क्षेत्रों में दरिद्रों के स्थान पर फर्जी दरिद्रों को असहाय विडो–वृद्धा–बिकलांग–समाजवादी पेंशन एवं अन्त्योदय–बी.पी.एल.राशन, आवास–शौचालय लाभ मिला / जारी है। इन **अन्त्योदय** धारकों में 90–100%, कोटा **राशन** धारकों में 70% एवं **बी.पी.एल.** धारकों 80–90% एवं **असहाय** वृद्धा–विधवा–विकलांग एवं समाजवादी **पेंशन** धारकों में 80–95 %, लोहिया–इन्द्रा आवास, **शौचालय**, गैस–विद्युत **कनेक्शन** पाने वाले सक्षम व्यक्ति–परिवार हैं, जिनमें **अधिकांश के पास बड़े लेंटर मकान, नगरों में हवेलियाँ, कार, मोटरसाइकिल, कार, ट्रेक्टर, ट्रक, दूकान, व्यापार, नौकरी, पेंशन, भूमि, प्लाट्स, उद्योग, प्रतिष्ठान, पैतृक धन–सम्पत्ति आदि का स्वामित्व** हैं। अधिकांश **वृद्धों–विधवाओं** के लड़के शादीशुदा **सक्षम व्यक्ति** हैं। अधिकांश **बिकलांग** पेंशनर्स ऐसे हैं जो पूर्ण रूप से स्वस्थ्य–सक्षम या मामूली चोट निशान या 40% से बहुत कम अपंगता होने और पर्याप्त पैतृक आय–सम्पत्ति के बावजूद **पेंशन** ले रहे हैं तथा अनेक व्यक्ति और उनके परिजन नाम, जाति–वर्ग बदल कर एक ही परिवार में अनेक पेंशन–राशन ले रहे हैं। दरिद्रों के लिए बनीं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ **फर्जी दरिद्रों** द्वारा हड़पा जा रहा है और इस फर्जीबाड़ों में स्थानीय समितियों तथा भ्रष्ट अधिकारियों–कर्मचारियों का सहयोग–संरक्षण जारी है। जिसके कारण राष्ट्रीय विकास योजनाओं का धन दुर्पयोग होकर **दरिद्रता उन्मूलन योजनाएँ दरिद्रता विकास में बदली** हुई हैं।

2. गरीबों के कल्याण के लिए बनीं योजनाओं में निर्धारित नियमों की उपेक्षा कर फर्रूखाबाद जनपद में रजिस्टर्ड–फर्जी दरिद्रों द्वारा अर्थात् रहीसों द्वारा बड़ी मात्रा में गरीबों का गेंहू, चावल, तेल, चीनी, सरकारी इंदिरा–लोहिया–कांशीराम आवास, जमीन–प्लाट पट्टा, उद्योग, बीमा, समाजवादी–वृद्धा–असहाय–विधवा–विकलांग पेंशन, दान–अनुदान व राष्ट्रीय सम्मान आदि फर्जीबाड़ा से हड़प कर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं की रही हैं। सांसद एवं विधायक निधियों एवं हैंडपम्प तथा विकास का धन सार्वजनिक स्थलों–स्कूलों के स्थान पर न लगाकर रहीसों के निजी आवासों, प्लाटों, प्रतिष्ठानों, स्कूलों में लगाए गए / जा रहे है। राशन–कोटे की दूकानें स्त्रियों–रहीसों को आबंटित होकर विरासत के रूप में राशन-तेल ब्लैक हो रहा हैं। राशन दूकानें नियमित नही खुलती हैं यह माह में मात्र 1–2 दिन खुलकर अधिकारियों की अनुपस्थित में थोड़ा–बहुत राशन वितरण होकर कागजी खानापूर्ति हो रहीं है। इन दूकानों से कोटे का राशन–तेल ब्लैक होकर खुलेआम बाजार की दूकानों पर बिक रहा है।

3. जिले के अधिकांश ग्राम सचिवालयों, बरातगृहों, सहकारी समितियों, स्वास्थ्य भवनों में दबंगों ने ताले डालकर अवैध कब्जे कर लिए हैं। स्वास्थ्य विभाग के अधिकांश केंद्र–उपकेंद्रों पर चिकित्सक की जगह वार्डब्याय एवं सफाईकर्मी रोगियों का इलाज कर रहे हैं जबकि अनेक चिकित्सक–फार्माशिस्ट स्वास्थ्य केंद्रों पर यदाकदा जाकर उपस्थित साइन करते हैं। सरकारी स्कूलों में एस.एम.सी.एवं आचार्य–प्राचार्यों के फर्जीबाड़े चरम पर हैं। अधिकांश सरकारी विद्यालयों छात्रहीन, शिक्षणविहीन एवं शिक्षक बाहुल्य हैं। इन विद्यालयों में जो छात्र पंजीकृत हैं उनमें अधिकांश निजी स्कूलों में पढ़ने वाले एवं कभी भी स्कूल न आने वाले भट्टाश्रमिक–कबाड़ी बच्चे हैं। फर्जी छात्र संख्या के आधार पर सरकारी स्कूलों में नौकरी–भर्ती जारी रखने के उद्देश्य फर्जीबाडे चरम पर हैं। इन स्कूलों की एस.एम.सी.के अध्यक्षों सहित रसोइयों बच्चे संबंधित स्कूलों में न पढ़ने एवं निरक्षर होने के बावजूद इनकी पदासीनता मेहरवानी पर आधारित है। इन स्कूलों में पढ़ाई स्तर अत्यन्त निम्न एवं घोटाला अत्यन्त उच्च है।

4. अधिकांश गावों में सफाई कर्मचारी के पद पर उच्च–पिछड़ी जाति–वर्ग के व्यक्ति पदासीन हैं जो स्वयं गलियाँ–नालियाँ सफाई नहीं करते हैं और बाल्मीक जाति के श्रमिकों को 200 रूपए दिहाड़ी मजदूरी देकर यदा–कदा गांव–सफाई कार्य की खानापूर्ति कराते हैं तथा ग्राम प्रधान एवं ए.डी.ओ.पंचायत को वेतन का कुछ हिस्सा नियमित देकर अपनी फर्जी ड्यूटी की उपस्थित हस्ताक्षर प्रमाणित कराकर स्वयं बिना काम किए वेतन के नाम पर सरकारी धन हड़प कर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं कर रहे हैं। इस तरह रहीस व्यक्ति–परिवार फर्जी दरिद्र बनकर सरकारी सुख–सुविधाओं को भोग कर मौज कर रहे है। जबकि वास्तविक दरिद्र ए.पी.एल.धारक या राशनकार्डविहीन होने से बुरी तरह दरिद्रता ग्रसित व संघर्षरत हैं।

5. केंद्र-प्रदेश सरकार द्वारा संचालित सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ की पात्रता, आवेदन, स्वीकृत एवं धन आबंटन की औपचारिक प्रक्रिया निर्धारित है। जिसमें शासन के प्रशासकों, अधिकारियों, कर्मचारियों की निगरानी एवं जबाबदेही उत्तरदायित्व निर्धारित है। इसके बावजूद फर्जी दरिद्रों द्वारा दुर्पयोग व वास्तविक दरिद्रों को लाभ की उपेक्षा देश–समाज के लिए घातक है।

अतः सुझाव सहित अनुरोध है कि दरिद्र कल्याण योजनाओं अन्त्योदय, बीपीएल., असहाय विधवा–वृद्धा–बिकलांग पेंशन, आवास, शौचालय, गैस–विद्युत कनेक्शन लाभ में मानकीय दरिदों मात्र को ही देकर एवं योजनाओं का लाभ दुर्पयोग–हड़पने वाले फर्जी दरिद्रों के विरुद्ध दंडनीय–वसूली कार्यवाही कर सरकारी धन के दुर्पयोग पर अंकुश लगाने का कष्ट करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

भवदीया

(डॉ. नीतू सिंह तोमर)

दिनांकः–0 –04–2018

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

RL FARRUKHABAD PO <209625>
RL A RU135228021N
Counter No:1,OP-Code:09
To:SWCHV SWSTHAY AND,CHIKITSA
Lucknow U.P.,, PIN:226001
From:DR, NEETU SINGH , FKB
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,24/03/2018 ,12:18
<<Track on www.indiapost.gov.in>>

.नीतू सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002

मोबाइल–7376681850

पत्रांकः–254 / मार्च / 2018 / दि.23.03.2018

सेवा में, सचिव,
स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

दि.23 / 3 / 2018

विषयः लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद के कर्मियों की ड्यूटी पलायन पर अंकुश लगाने हेतु अनुरोध–पत्र।

महोदय,

फर्रूखाबाद जिले के डॉ.राममनोहर लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद में व्याप्त अधोलिखित गम्भीर समस्याएँ निराकरण हेतु आपके समक्ष प्रस्तुत हैं, जिनका त्वरित निस्तारण जन–हित में अति आवश्यक है।

(1) यह कि, लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद में बड़ी संख्या में सेवक, स्वीपर्स एवं नर्सेस कार्यरत हैं। इनमें अधिकांश कर्मी निर्धारित वार्ड में रहकर रोगियों की देख–रेख नहीं नहीं करते और अनेक ऐसे कर्मी भी हैं जो घरों में पड़े रहते है या उपस्थिति साइन करने के बाद ड्यूटी से गायब बने रहते हैं यह रोगियों की भर्ती से लेकर मृतकों के शवों को हास्पिटल वार्ड या एम्बुलेंस तक ले जाने और सफाई–पोंछा नियमित नहीं करते हैं **(साक्ष्यस्वरूप दि.23.3.2018 को 6 से 2 बजे की इमरजेंसी वार्ड की गतिविधियों सहित हास्पिटल के सी.सी.टी.वी.रिकार्ड देखे जा सकते है)**। जिस कारण चिकित्सा–मरीज हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। **ड्यूटी पलायन वाले कर्मियों का तत्काल निष्काशन होना चाहिए।**

(2) यह कि, लोहिया हास्पिटल के **कर्मियों के उपस्थिति साइन होने के बावजूद कर्मियों का निर्धारित ड्यूटी से पलायन का जबाबदेह दायित्व निर्वाहन न करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही आवश्यक है।**

(3) यह कि, लोहिया हास्पिटल के **कर्मियों के उपस्थिति हस्ताक्षर के बावजूद कर्मियों का निर्धारित ड्यूटी से पलायन तथा निर्धारित दायित्व का निर्वाहन एवं सफाई की उपेक्षा पर अंकुश आवश्यक है।**

(4) यह कि, लोहिया हास्पीटल फर्रूखाबाद में कार्यरत कर्मियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, **दिन में 12 बजे के बाद लोहिया हास्पीटल की ऊपरी मंजिल पर हास्पिटल के कर्मचारी एकत्रित होते हैं और इनके द्वारा बड़े स्तर का जुँआ खेला जाता है।** अतः अपराधिक जुँआ गेम्स पर अंकुश लगना चाहिए।

(5) यह कि, लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद के **इमर्जेंसी वार्ड से जनरल वार्ड में कार्यरत अधिकांश सेवक–सफाई कर्मी वार्ड के रोगियों को ग्लूकोज, ब्लड, इन्जेक्शन लगाते हैं।** अंकुश लगना चाहिए।

(6) यह कि, **भर्ती मरीजों को हास्पिटल द्वारा भोजन नहीं दिया जा रहा है और गंभीर रूप से अस्वस्थ्य रोगियों को आक्सीजन–चिकित्सा में देरी के कारण अनेक रोगी मर रहे हैं,** अंकुश लगना चाहिए।

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, लोहिया हास्पीटल फर्रूखाबाद में बड़ी संख्या में कार्यरत सेवकों, स्वीपर्स–नर्सेज में अधिकांश द्वारा निर्धारित वार्ड में सरकारी ड्यूटी का उचित दायित्व निर्वहन न करने के विरुद्ध दंडनीय कार्यवाही एवं विभागीय निष्काशन करने का जनहित में कष्ट अवश्य करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांकः–23–03–2018

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पी.डी.एफ.
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली।

RL FARRUKHABAD PO <207625>
RL A RL113028079IN
Counter No:1,OP-Code:09
To:C,N,O,
Fatehgarh H.O. PIN:209601
From:DR, NEETU SINGH , FKB
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,29/03/2018 ,12:17
<<Track on www.indiapost.gov.in>>
भारतीय डाक
India Post

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–110002
मोबाइल–7376681850

पत्रांकः–253 /मार्च/2018/दि.23.03.2018

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी,
जनपद फर्रूखाबाद।

दि.23/3/2018

विषयः लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद के कर्मियों की ड्यूटी पलायन पर अंकुश लगाने हेतु अनुरोध–पत्र।

महोदय,

फर्रूखाबाद जिले के डॉ.राममनोहर लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद में व्याप्त अधोलिखित गम्भीर समस्याएँ निराकरण हेतु आपके समक्ष प्रस्तुत हैं, जिनका त्वरित निस्तारण जन–हित में अति आवश्यक है।

(1) यह कि, लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद में बड़ी संख्या में सेवक, स्वीपर्स एवं नर्सेस कार्यरत हैं। इनमें अधिकांश कर्मी निर्धारित वार्ड में रहकर रोगियों की देख–रेख नहीं नहीं करते और अनेक ऐसे कमी भी हैं जो घरों में पड़े रहते है या उपस्थिति साइन करने के बाद ड्यूटी से गायब बने रहते हैं यह रोगियों की भर्ती से लेकर मृतकों के शवों को हास्पिटल वार्ड या एम्बुलेंस तक ले जाने और सफाई–पोंछा नियमित नहीं करते हैं **(साक्ष्यस्वरूप दि.23.3.2018 को 6 से 2 बजे की इमरजेंसी वार्ड की गतिविधियों सहित हास्पिटल के सी.सी.टी.वी.रिकार्ड देखे जा सकते है)**। जिस कारण चिकित्सा–मरीज हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। **ड्यूटी पलायन वाले कर्मियों का तत्काल निष्काशन होना चाहिए।**

(2) यह कि, लोहिया हास्पिटल के **कर्मियों के उपस्थिति साइन होने के बावजूद कर्मियों का निर्धारित ड्यूटी से पलायन का जबाबदेह दायित्व निर्वाहन न करने वालों के विरुद्ध कार्यवाही आवश्यक है।**

(3) यह कि, लोहिया हास्पिटल के **कर्मियों के उपस्थिति हस्ताक्षर के बावजूद कर्मियों का निर्धारित ड्यूटी से पलायन तथा निर्धारित दायित्व का निर्वाहन एवं सफाई की उपेक्षा पर अंकुश आवश्यक है।**

(4) यह कि, लोहिया हास्पीटल फर्रूखाबाद में कार्यरत कर्मियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, **दिन में 12 बजे के बाद लोहिया हास्पीटल की ऊपरी मंजिल पर हास्पिटल के कर्मचारी एकत्रित होते हैं और इनके द्वारा बड़े स्तर का जुँआ खेला जाता है।** अतः अपराधिक जुँआ गेम्स पर अंकुश लगना चाहिए।

(5) यह कि, लोहिया हास्पिटल फर्रूखाबाद के **इमर्जेंसी वार्ड से जनरल वार्ड में कार्यरत अधिकांश सेवक–सफाई कर्मी वार्ड के रोगियों को ग्लूकोज, ब्लड, इन्जेक्शन लगाते हैं।** अंकुश लगना चाहिए।

(6) यह कि, **भर्ती मरीजों को हास्पिटल द्वारा भोजन नहीं दिया जा रहा है और गंभीर रूप से अस्वस्थ्य रोगियों को आक्सीजन–चिकित्सा में देरी के कारण अनेक रोगी मर रहे हैं,** अंकुश लगना चाहिए।

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, लोहिया हास्पीटल फर्रूखाबाद में बड़ी संख्या में कार्यरत सेवकों, स्वीपर्स–नर्सेज में अधिकांश द्वारा निर्धारित वार्ड में सरकारी ड्यूटी का उचित दायित्व निर्वहन न करने के विरुद्ध दंडनीय कार्यवाही एवं विभागीय निष्काशन करने का जनहित में कष्ट अवश्य करें। सधन्यवाद।

आदर सहित।

दिनांकः–23–03–2018

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पी.डी.एफ.
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली।

RL FARRUKHABAD PO <209625>
RL A RU113514673IN
Counter No:1,OP-Code:09
To:P.DR. NEELAMA GUPTAG,
Kanpur H.O. PIN:208001
From:DR. NEETU SINGH TOMAR , DELHI
Wt:40grams,
Amt:27.00 ,13/03/2018 ,11:03
<<Track on www.indiapost.gov.in>>

भारतीय डाक
India Post

15-3-2018-16:14:53 Kanpur Dabak

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

नुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–7376681850

पत्रांक:-252/मार्च/2018/दि.12.03.2018

सेवा में, **कुलपति,**
छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर।

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

विषयः कानपुर विश्व विद्यालय से सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त कालेजों के फर्जीबाड़ों पर अंकुश लगाने हेतु।

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान जिले के अधिकांश डिग्री कालेजों में छात्र हीनता, शिक्षण विहीनता, मानकीय आचार्य–प्राचार्य का अभाव, प्रबंधक एवं उनके परिजनों को प्राचार्य सीट पर बैठकर प्राचार्य पद का कार्य, कालेज धन–सम्पति के दुरुपयोग, कान्वेट से इंटर की कक्षाओं का संचालन, अवैध वसूली तथा ग्रामीण स्थलों पर कालेज की मान्यता और उनकी शहर स्थलों पर अध्ययन–अध्यापन तथा एक ही स्थल पर एक ही भवन में अनेक कालेजों को मान्यता और उनमें कान्वेंट से डिग्री की कक्षाओं का संचालन आदि गम्भीर अनियमितताएँ देखने को मिलीं। जिनके कारण उच्च शिक्षा मानकों सहित छात्र एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। अतः शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **सुझाव–तथ्य** आपके समक्ष त्वरित कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद जिले के महाविद्यालयों के पंजीकृत अधिकांश विद्यार्थी कालेज शिक्षण अवधि में कक्षाओं में न जाकर व्यापार–नौकरी कर रहे हैं एवं वि. वि. से अनुमोदित आचार्य–प्राचार्य शिक्षण काल में कभी भी कालेज पढ़ाने नहीं जाते है, उनकी जगह आयोग्य लोगों से शिक्षण खानापूर्ति कराई जाती है और अनुपस्थित छात्रों की कक्षाओं में फर्जी उपस्थिति दर्ज कर ली जाती है, अंकुश लगना चाहिए।

2. यह कि, भारतीय महाविद्यालय फर्रूखाबाद की मान्यता नगर से 25 किमी दूर गांधी ग्राम से 3 किमी पश्चिमी निर्जन भूमि पर है और कक्षाएँ लोहाई रोड़ पर संचालित होकर सरकारी वित्तीय सहायता ली जा रही है। इस फर्जीबाड़े से प्रोत्साहित होकर फर्रूखाबाद के सिटी पब्लिक स्कूल के भवन में सी.बी. एस.ई.से लेकर अनेक डिग्री कालेजों की मान्यता सहित कन्नौज जनपद के राजनैतिक व्यक्ति का आवास भी है। इसी प्रकार रामनरायन कालेज कायमगंज व गौतमबुद्ध कालेज मतापुर–गैसिंगपुर आदि भवनों में कान्वेंट–इंटर सहित डिग्री कालेज संचालित हैं। इन फर्जीबाड़ों पर तत्काल अंकुश जरूरी है।

3. यह कि, जनपद के अधिकांश एडिड कालेज के शिक्षक कालेजों में अपना निर्धारित शिक्षण कार्य नहीं कर रहे हैं और शिक्षकों की कमी होने के बावजूद कार्यवाहक प्राचार्य तो कक्षाओं में पढ़ाने से तौबा किए हुए हैं तथा अपनी नौकरी कार्यकाल अध्यापन की सदैव उपेक्षा करने वाले रिटायर्ड शिक्षक पुनः नौकरी पाने के उपरान्त कालेजों में शिक्षण कार्य नहीं कर रहे और अधिकांश कहते हैं कि, "जूनियर प्राचार्य मुझे पढ़ाने का निर्देश कैसे दे सकता है" और कालेज पढ़ने आने वाले छात्रों को पढ़ाया नहीं जाता है। एडिड स्कूलों के अधिकांश छात्र प्राइवेट नौकरी कर रहे हैं। अंकुश लगना चाहिए।

4. यहकि, कालेजों की मान्यता बाद शिक्षणकाल में छात्रहीनता, शिक्षणविहीनता एवं अनुमोदित आचार्य–प्राचार्य का पलायन बावजूद परीक्षाएँ व डिग्री आवंटन देश–समाज के लिए अभिशाप सिद्ध हो रहा है।

अतः अनुरोध है कि, उक्त अकाट्य तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, अमानक एवं फजीबाड़े पर आधारित डिग्री कालेजों की कानपुर वि.वि. से मान्यता–सम्बद्धता तत्काल निरस्त करने का कष्ट करें।

दिनांक–12–03–2018

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

HL FARRUKHABAD PO (209625)
RL A RU135146601N
Counter No:1,OP-Code:09
To:UTTA SHIKSA,U.P SHASAN
Lucknow G.P.O., PIN:226001
From:DR. NEETU SINGH TOMAR , DELHI
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,13/03/2018 ,11:05
<<Track on www.indiapost.gov.in>>
भारतीय डाक
India Post
Returned - Mon-15-03-2018 [illegible]
No 9118000000101/21-3-18

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
नुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002
मोबाइल–7376681850

पत्रांकः–251 / मार्च / 2018 / दि.12.03.2018

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

सेवा में, **सचिव,**
उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

विषयः कानपुर विश्व विद्यालय से सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त कालेजों के फर्जीबाड़ों पर अंकुश लगाने हेतु।

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान जिले के अधिकांश डिग्री कालेजों में छात्र हीनता, शिक्षण विहीनता, मानकीय आचार्य–प्राचार्य का अभाव, प्रबंधक एवं उनके परिजनों को प्राचार्य सीट पर बैठकर प्राचार्य पद का कार्य, कालेज धन–सम्पति के दुरुपयोग, कान्वेट से इंटर की कक्षाओं का संचालन, अवैध वसूली तथा ग्रामीण स्थलों पर कालेज की मान्यता और उनकी शहर स्थलों पर अध्ययन–अध्यापन तथा एक ही स्थल पर एक ही भवन में अनेक कालेजों को मान्यता और उनमें कान्वेंट से डिग्री की कक्षाओं का संचालन आदि गम्भीर अनियमितताएँ देखने को मिलीं। जिनके कारण उच्च शिक्षा मानकों सहित छात्र एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। अतः शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **सुझाव–तथ्य** आपके समक्ष त्वरित कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद जिले के महाविद्यालयों के पंजीकृत अधिकांश विद्यार्थी कालेज शिक्षण अवधि में कक्षाओं में न जाकर व्यापार–नौकरी कर रहे हैं एवं वि. वि. से अनुमोदित आचार्य–प्राचार्य शिक्षण काल में कभी भी कालेज पढ़ाने नहीं जाते है, उनकी जगह आयोग्य लोगों से शिक्षण खानापूर्ति कराई जाती है और अनुपस्थित छात्रों की कक्षाओं में फर्जी उपस्थिति दर्ज कर ली जाती है, अंकुश लगना चाहिए।

2. यह कि, भारतीय महाविद्यालय फर्रूखाबाद की मान्यता नगर से 25 किमी दूर गांधी ग्राम से 3 किमी पश्चिमी निर्जन भूमि पर है और कक्षाएँ लोहाई रोड़ पर संचालित होकर सरकारी वित्तीय सहायता ली जा रही है। इस फर्जीबाड़े से प्रोत्साहित होकर फर्रूखाबाद के सिटी पब्लिक स्कूल के भवन में सी.बी. एस.ई.से लेकर अनेक डिग्री कालेजों की मान्यता सहित कन्नौज जनपद के राजनैतिक व्यक्ति का आवास भी है। इसी प्रकार रामनरायन कालेज कायमगंज व गौतमबुद्ध कालेज मतापुर–गैसिंगपुर आदि भवनों में कान्वेंट–इंटर सहित डिग्री कालेज संचालित हैं। इन फर्जीबाड़ों पर तत्काल अंकुश जरूरी है।

3. यह कि, जनपद के अधिकांश एडिड कालेज के शिक्षक कालेजों में अपना निर्धारित शिक्षण कार्य नहीं कर रहे हैं और शिक्षकों की कमी होने के बावजूद कार्यवाहक प्राचार्य तो कक्षाओं में पढ़ाने से तौबा किए हुए हैं तथा अपनी नौकरी कार्यकाल अध्यापन की सदैव उपेक्षा करने वाले रिटायर्ड शिक्षक पुनः नौकरी पाने के उपरान्त कालेजों में शिक्षण कार्य नहीं कर रहे और अधिकांश कहते हैं कि, "जूनियर प्राचार्य मुझे पढ़ाने का निर्देश कैसे दे सकता है" और कालेज पढ़ने आने वाले छात्रों को पढ़ाया नहीं जाता है। एडिड स्कूलों के अधिकांश छात्र प्राइवेट नौकरी कर रहे हैं। अंकुश लगना चाहिए।

4. यहकि, कालेजों की मान्यता बाद शिक्षणकाल में छात्रहीनता, शिक्षणविहीनता एवं अनुमोदित आचार्य–प्राचार्य का पलायन बावजूद परीक्षाएँ व डिग्री आवंटन देश–समाज के लिए अभिशाप सिद्ध हो रहा है।

अतः अनुरोध है कि, उक्त अकाट्य तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, अमानक एवं फजीबाड़े पर आधारित डिग्री कालेजों की कानपुर वि.वि. से मान्यता–सम्बद्धता तत्काल निरस्त करने का कष्ट करें।

दिनांक–12–03–2018

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

HL FARRUKHABAD PO <209625>
RL A RU113514687IN
Counter No:1,OP-Code:09
To:M, M, RAJYA PAL,KULADHIPATI
Lucknow G.P.O., PIN:226001
From:DR, NEETU SINGH TOMAR , DELHI
Wt:20grams.
Amt:22.00 ,13/03/2018 ,11:05
<<Track on www.indiapost.gov.in>>
भारतीय डाक
India Post

15-3-2018 को 14:51 पर 209625 Group-9 को Delivered

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

नुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–7376681850

पत्रांकः– 250 / मार्च / 2018 / दि.12.03.2018

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

सेवा में, **महामहिम राज्यपाल / कुलाधिपति,**
उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश शासन, राजभवन लखनऊ।

विषयः कानपुर विश्व विद्यालय से सम्बद्ध एवं मान्यता प्राप्त कालेजों के फर्जीबाड़ों पर अंकुश लगाने हेतु।

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान जिले के अधिकांश डिग्री कालेजों में छात्र हीनता, शिक्षण विहीनता, मानकीय आचार्य–प्राचार्य का अभाव, प्रबंधक एवं उनके परिजनों को प्राचार्य सीट पर बैठकर प्राचार्य पद का कार्य, कालेज धन–सम्पति के दुरुपयोग, कान्वेट से इंटर की कक्षाओं का संचालन, अवैध वसूली तथा ग्रामीण स्थलों पर कालेज की मान्यता और उनकी शहर स्थलों पर अध्ययन–अध्यापन तथा एक ही स्थल पर एक ही भवन में अनेक कालेजों को मान्यता और उनमें कान्वेंट से डिग्री की कक्षाओं का संचालन आदि गम्भीर अनियमितताएँ देखने को मिलीं। जिनके कारण उच्च शिक्षा मानकों सहित छात्र एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। अतः शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **सुझाव–तथ्य** आपके समक्ष त्वरित कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद जिले के महाविद्यालयों के पंजीकृत अधिकांश विद्यार्थी कालेज शिक्षण अवधि में कक्षाओं में न जाकर व्यापार–नौकरी कर रहे हैं एवं वि. वि. से अनुमोदित आचार्य–प्राचार्य शिक्षण काल में कभी भी कालेज पढ़ाने नहीं जाते है, उनकी जगह आयोग्य लोगों से शिक्षण खानापूर्ति कराई जाती है और अनुपस्थित छात्रों की कक्षाओं में फर्जी उपस्थिति दर्ज कर ली जाती है, अंकुश लगना चाहिए।

2. यह कि, भारतीय महाविद्यालय फर्रूखाबाद की मान्यता नगर से 25 किमी दूर गांधी ग्राम से 3 किमी पश्चिमी निर्जन भूमि पर है और कक्षाएँ लोहाई रोड़ पर संचालित होकर सरकारी वित्तीय सहायता ली जा रही है। इस फर्जीबाड़े से प्रोत्साहित होकर फर्रूखाबाद के सिटी पब्लिक स्कूल के भवन में सी.बी. एस.ई.से लेकर अनेक डिग्री कालेजों की मान्यता सहित कन्नौज जनपद के राजनैतिक व्यक्ति का आवास भी है। इसी प्रकार रामनरायन कालेज कायमगंज व गौतमबुद्ध कालेज मतापुर–गैसिंगपुर आदि भवनों में कान्वेंट–इंटर सहित डिग्री कालेज संचालित हैं। इन फर्जीबाड़ों पर तत्काल अंकुश जरूरी है।

3. यह कि, जनपद के अधिकांश एडिड कालेज के शिक्षक कालेजों में अपना निर्धारित शिक्षण कार्य नहीं कर रहे हैं और शिक्षकों की कमी होने के बावजूद कार्यवाहक प्राचार्य तो कक्षाओं में पढ़ाने से तौबा किए हुए हैं तथा अपनी नौकरी कार्यकाल अध्यापन की सदैव उपेक्षा करने वाले रिटायर्ड शिक्षक पुनः नौकरी पाने के उपरान्त कालेजों में शिक्षण कार्य नहीं कर रहे और अधिकांश कहते हैं कि, "जूनियर प्राचार्य मुझे पढ़ाने का निर्देश कैसे दे सकता है" और कालेज पढ़ने आने वाले छात्रों को पढ़ाया नहीं जाता है। एडिड स्कूलों के अधिकांश छात्र प्राइवेट नौकरी कर रहे हैं। अंकुश लगना चाहिए।

4. यहकि, कालेजों की मान्यता बाद शिक्षणकाल में छात्रहीनता, शिक्षणविहीनता एवं अनुमोदित आचार्य–प्राचार्य का पलायन बावजूद परीक्षाएँ व डिग्री आवंटन देश–समाज के लिए अभिशाप सिद्ध हो रहा है।

अतः अनुरोध है कि, उक्त अकाट्य तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, अमानक एवं फजीबाड़े पर आधारित डिग्री कालेजों की कानपुर वि.वि. से मान्यता–सम्बद्धता तत्काल निरस्त करने का कष्ट करें।

दिनांक–12–03–2018

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

डॉ.नीतू सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–9389766228

पत्रांकः–247 / जनवरी / 2018 / दि.23.01.2018

अति आवश्यकीय

सेवा में,

महामहिम राज्यपाल,
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

विषयः छात्र–शिक्षण विहीन एवं शिक्षक बाहुल्य परिषदीय विद्यालयों पर राष्ट्रीय धन का दुरुपयोग रोकने हेतु।

महोदय,

जनपद फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण–जनसंपर्क के दौरान मैंने फर्रूखाबाद जिले में संचालित परिषदीय स्कूलों की शिक्षा का वर्तमान स्वरूप देखा। **इन स्कूलों में छात्र हीनता व शिक्षण विहीनता के बावजूद जरूरत से ज्यादा शिक्षकों का जमावड़ा** है तथा फर्जी छात्र संख्या के आधार पर पर मिड–डे–मील, ड्रेस, जूता–मोजा, स्वेटर, शिक्षा के नाम पर राष्ट्रीय आय का अनाप–शनाप धन दुरुपयोग हो रहा है। **यह जग–जाहिर वास्तविकता है कि** इन परिषदीय स्कूलों में दशको पूर्व से पढ़ाई न होने से कोई भी व्यक्ति अपने बच्चों–प्रतिपाल्यों को इन स्कूलों में पढ़ाने को तैयार नहीं है यहाँ तक कि स्कूल के अनपढ़ रसोइया, स्कूल समिति के पदाधिकारी एवं परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षक भी अपने प्रतिपाल्यों को इन स्कूलों में पढ़ाने की अपेक्षा अनपढ़ रखना अधिक पसन्द करते हैं। इन स्कूलों में पंजीकृत अधिकांश छात्र इन स्कूलों के वास्तविक छात्र नहीं हैं अर्थात निजी स्कूलों में पढ़ने वाले या शिक्षा से वंचित रहकर कबाड़ बीनने वाले या बालश्रमिक हैं जो इन स्कूलों में कभी भी पढ़ने नहीं आते और इनके नाम पर फर्जीबाड़ा जारी है।

1. यह कि, जनपद फर्रूखाबाद की प्राथमिक शिक्षा की स्थिति में व्याप्त अति गम्भीर उक्त तथ्य जनपद फर्रूखाबाद तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि सम्पूर्ण उ. प्र. में संचालित अधिकांश परिषदीय विद्यालयों में रूप में व्याप्त है। इसके बावजूद परिषदीय स्कूलों में **औचक निरीक्षण एवं फर्जीबाड़े–घोटले बाजों के विरूद्ध दंडनीय कार्यवाही के अभाव में फर्जी छात्र संख्या के आधार पर नौकरी–भर्ती जारी है और गरीबों शिक्षा से वंचित हैं।**

2. यह कि, भारत कृषि प्रधान देश है जहाँ दुनिया के एक तिहाई गरीब रहते हैं और प्रत्येक तीसरा व्यक्ति गरीब अर्थात जीवन की मूलभूत आवश्कतां–रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ्य और शिक्षा से वंचित है। जबकि जनसाधारण को जीवन की मूलभूत जरूरत पूर्ति के लिए सरकार द्वारा जनकल्याण हेतु देश विकास की संचालित योजनाओं पर राष्ट्रीय बजट का बड़ा भाग व्यय हो रहा है। इसके बावजूद गरीबी एवं निरक्षता की स्थिति भयावह होती जा रही है और दरिद्रता–निरक्षरता उन्मूलन फर्जी आँकड़ों तक सीमित हो रहा है।

3. यह कि, आज व्यक्ति नौकरी तो परिषदीय स्कूलों में करना चाहते / कर रहे है परन्तु अपने बच्चों को परिषदीय स्कूलों में न पढ़ाकर निजी स्कूलों में पढ़ा रहे है। ऐसी भूमिकाएँ एवं क्रिया–कलापों से परिषदीय शिक्षा निकृष्ट एवं निजी स्कूलों की शिक्षा श्रेष्ट सिद्ध होती हैं, जिससे परिषदीय स्कूल जन उपयोगी नहीं हैं।

अतः आपसे विशेष अनुरोध है कि, शिक्षणहीन, छात्रविहीन एवं शिक्षक बाहुल्य परिषदीय स्कूलों की फर्जी छात्र संख्या के आधार पर व्याप्त गम्भीर अनियमितताओं, फर्जीबाड़ों, घोटालों एवं अनावश्यक शिक्षक भर्ती पर अंकुश लगा कर, मानकीय शिक्षण व्यवस्था लागू कर शैक्षिक जगत में गरिमामयी योगदान अवश्य प्रदान करें।

आदर सहित।

दिनांक–23–01–2018

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार, नई–दिल्ली–110002

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, New Delhi

डॉ.नीतू सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–9389766228

पत्रांकः–246 /जनवरी/2018/दि.23.01.2018

सेवा में, **मुख्य चिकित्साधिकारी,**
जनपद फर्रूखाबाद, स्थान फतेहगढ़।

अति आवश्यकीय

विषयः'लोहिया अस्पताल में व्याप्त अराजकता से प्रभावित जन–स्वास्थ्य एवं चिकित्सा व्यवस्था में सुधार हेतु।'

महोदय,

जनपद फर्रूखाबाद के दरिद्र, कंगाल, असहाय एवं सामान्य जनता को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा के लिए डॉ.राम मनोहर लोहिया चिकित्सालय संचालित है और इस चिकित्सालय में सरकार द्वारा अधिकारी, कर्मचारी, जांच, दवा आदि व्यवस्था को मुहैय्या कराने के लिए राष्ट्रीय आय की बहुत बड़ी रकम मासिक–वार्षिक व्यय होने के बावजूद यहाँ आने वाले रोगियों के स्वास्थ्य का न तो संतोषजनक परीक्षण हो रहा है और न ही उनको सही चिकित्सा दी जा है बल्कि निजी अस्पतालों के सक्रिय लोगों द्वारा रोगियों को चंगुल में फंसाकर शोषण का शिकार बनाया जा रहा है। जिसके कारणों में लोहिया अस्पताल में कार्यरत लोगों के संरक्षण में व्याप्त अराजकता प्रमुख है। ऐसी स्थिति में डॉ. राममनोहर लोहिया हास्पीटल सामान्य जनता की स्वास्थ्य समस्याओं के समाधान करने में नाकाम रहकर तथा दलालों, व्यापारियों, ड्यूटी से पलायन कर अन्य लाभ कमाने वालों एवं अराजकतत्वों के लिए वरदान सिद्ध हो रहा हैं। अतः घटना विवरण सहित निम्नलिखित तथ्य कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

1. यह कि, आज दि.23.1.2018 अपराह्न 1 बजे डॉ.राम मनोहर लोहिया हास्पीटल फर्रूखाबाद गई और फिजीशियन कक्ष में लगी भीड़ के रोगों का परीक्षण करने वाले व्यक्ति के बारे में बताया गया कि यह चिकित्सक नहीं है तथा चिकित्सक नहीं आएंगे, तब मैंने उस तथाकथित चिकित्सक से उसका परिचय और पद की जानकारी चाही तो वह अभद्रता करने लगा तब मैंने सी. एम. एस. कक्ष में जाकर प्रकरण की जानकारी लोहिया अस्पताल के सी. एम. एस. को दी तदुपरांत तथाकथित चिकित्सक ने सी.एम.एस कक्ष आकर अपने को नेशनल कालेज का छात्र बताया तो मैंने नाम–पता एवं सम्बन्धित कालेज विवरण की जानकारी चाही एवं डॉक्टर की ड्यूटी का पलायन व तथाकथित चिकित्सक द्वारा लोहिया अस्पताल में मरीजों की जांच एवं चिकित्सा करने एवं अराजकता के विरूद्ध कार्यवाही करने का अनुरोध किया परन्तु सी.एम. एस. द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई और न ही तथाकथित चिकित्सक के सम्बन्ध में जानकारी उपलब्ध कराई गई और न ही मुझ सहित अस्पताल में मौजूद रोगियों–जनता को उचित चिकित्सा मिल सकी। जो अराजकता संरक्षण का खुला प्रमाण है।

2. यह कि, ड्यूटी पर कार्यरत चिकित्सक का ड्यूटी से पलायन तथा निर्धारित चिकित्सक के स्थान पर लोहिया अस्पताल में अयोग्य द्वारा सामान्य जनता के स्वास्थ्य का परीक्षण एवं चिकित्सा एवं दवा का दिया जाना अति गम्भीर तथ्य है।

3. यह कि, कुछ दि.14.1.2018 को दैनिक जागरण, पेज 3 पर प्रकाशित समाचार अचम्भे में ड़ाल रही ऑपरेशन की रफ्तार में मोतियाबिन्दु ऑपरेशन की जो स्थिति एवं तथ्य उद्धृत हैं वह भी जनता को चिकित्सा से उपेक्षा का अतिगम्भीर तथ्य है।

4. यह कि, प्राप्त जानकारी के अनुसार, जनपद में संचालित अधिकांश नर्सिंग होम एवं निजी चिकित्सालय तथा मेडिकल स्टोर्स के अधिकांश मालिक एवं सरकारी नौकरियों में कार्यरत या उच्च पहुँच रखने वाले प्रभावशाली व्यक्ति हैं जो धन, पद और प्रतिष्ठा के प्रभाव में जनता को सरकारी स्वास्थ्य योजना लाभ से वंचित कर व्यक्तिगत लाभ कमाने में जुटे हैं।

5. यह कि, जनता को स्वास्थ्य–चिकित्सा के लिए संचालित अस्पतालों में व्याप्त अराजकता पर अंकुश लगना आवश्यक है।

अतः आपसे अनुरोध है कि, लोहिया में व्याप्त अराजकता एवं ड्यूटी पलायन कर अपनी जगह तथाकथित चिकिसकों से सामान्यजनों के स्वास्थ्य का परीक्षण एवं चिकित्सा–दवा दिलाने वालों तथा फर्जीबाड़ा कर अपनी सरकारी ड्यूटी का उचित दायित्व पूर्ण न करने वालों के विरूद्ध विभागीय एवं दण्डनीय तथा वैधानिक कार्यवाही करने का कष्ट जनहित में अवश्य करें।

दिनांक–23–01–2018

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

भारतीय डाक
India Post

RL FATEHGARH (209601)
RL B RU722368312IN
Counter No:2,OP-Code:OP
To:SWATH MARTRI,
DELHI, PIN:110001
From:DR NEETU SINGH , FTG
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,31/07/2017 ,15:03
<<Track on www.indiapost.gov.in>>

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

पत्रांक:– 242/जौलाई / 2017 / दि.28.07.2017 मोबाइल–9389766228

सेवा में, **केंद्रीय मंत्री,** गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, भारत सरकार, नई दिल्ली।

विषय:'मानकविहीन निजी अस्पताल, नर्सिंगहोम, मेडिकलस्टोर एवं चिकित्सकों की अवैध वसूली पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान मैंने पाया कि, जिले की मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रोगी हितों की सुरक्षा सहित चिकित्सा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **तथ्य सहित सुझाव** कार्यवाही हेतु आपके समक्ष सादर प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद के मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों(लगभग 90–95%) द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। तथा निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा कार्यवाही में फर्जी प्रपत्रों को शामिल कर गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं **यथा** सरकारी एंबुलेंस के रोगियों का सरकारी अस्पताल की जगह निजीअस्पताल में इलाज जहाँ रेटलिस्ट, बिलबाउचर्स अभाव के औचक निरीक्षण से सिद्ध हो जाएगा कि इनकी अवैध वसूली व्यक्ति–समाज के लिए अत्यंत घातक है, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
2. यह कि, जिले के **लगभग सभी आयुर्वेदिक चिकित्सक अपने निजी अस्पतालों में एलोपैथी दवाइयां–चिकित्सा दे रहे हैं** तथा अमानक अल्ट्रासाउंड, ब्लड–रोग, आई–लेंस जांच केंद्र एवं मेडिकलस्टोर्स द्वारा मनमानी रकम **लेने के बावजूद बिल–बाउचर नहीं दिए जाते हैं** तथा बिल–रसीद मांगने पर अभद्रता कर लोगों को अपमानित किया जाता है। चिकित्सा नियमों की उपेक्षा जनता के लिए अभिशाप बने हुए हैं। अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, चिकित्सकों द्वारा मानक उपेक्षा के बावजूद इनके विरूद्ध कार्यवाही में जांच अधिकारियों का मेल–मिलाप एवं प्रोत्साहित किए जाने के संकेत सिद्ध हो रहे हैं। **अंकुश लगना चाहिए।**
3. यह कि, **अनेक सरकारी चिकित्सक सहित निजी चिकित्सक ऐसे हैं जो निजी–किराए के आवासों एव नर्सिंगहोम में चिकित्सा व्यापार कर रहे हैं।** निजी नर्सिंगहोम व अस्पतालों में **शुल्क सूची** न लगाकर अधिकांश संचालकों–चिकित्सकों द्वारा मरीजों से दैनिक पंजीयन–चिकित्सा सुविधाओं के नाम पर बड़ी रकम अग्रिम जमा कराकर 1–2 दिन चिकित्सा खानापूर्ति कर हड़प ली जाती है और गलत ढंग से परामर्श देकर रोगियों को महानगरों के अस्पतालों में भेजकर बड़ा कमीशन कमाया जा रहा है। यदि कोई मरीज इनकी मनमानी शुल्क–कमीशन धनराशि देने में अक्षम रहता है तो उसे मरीज छोड़ जाने हेतु बाद्ध किया जाता है और रोगी के गरीब परिजनों की मजबूरी का अवैध लाभ उठाया जा रहा है। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
4. यहकि, जिले में अनेक फार्मासिस्ट डिप्लोमा–डिग्री धारी हैं जो अन्य स्थानों पर नौकरी करने के बावजूद अपने **प्रमाण–पत्र किराए पर दिए हुए हैं** जिनके **आधार पर फार्मासिस्टहीन अधिकांश मेडिकलस्टोर्स** संचालित हैं, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
5. यह कि, अनेक **अस्पताल रा.आ.चि.लिंजीगंज** की भांति चल रहे हैं जहाँ चिकि–फार्मा गायब,स्वीपर मरीजों के **इलाज में जुटे हैं।**
6. यह कि, अधिकांश निजी अस्पताल–नर्सिंगहोस **निजी आवासों में संचालित** हो रहे हैं जिनकी व्यवस्था व समितियां अमानक हैं।
7. यह कि, सरकारी चिकित्सक ऐसे हैं जो **फर्रूखाबाद आवास की निजी हवेली एवं अस्पताल का संचालन छुपाकर पदासीन हैं।**

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, अमानक चिकित्सा, नर्सिंगहोम, अस्पतालों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। चिकित्सा अधिनियम, रेटसूची, भुगतान रसीद की उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए। मानकीय व्यवस्था अनुरूप चिकित्सा जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–28–07–2017

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

RL FATEHGARH <209601>
RL B RU722368241IN
Counter No:2,OP-Code:OP
To:CMO,
FTG, PIN:209601
From:DR NEETU SINGH , FTG
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,31/07/2017 ,15:02
<<Track on www.indiapost.gov.in>>

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–9389766228

पत्रांकः–241 /जौलाई/2017/दि.28.07.2017

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

सेवा में, **मुख्य चिकित्सा अधिकारी,**
जनपद फर्रूखाबाद, स्थान फतेहगढ़, उ.प्र.।

विषयः'मानकविहीन निजी अस्पताल, नर्सिंगहोम, मेडिकलस्टोर एवं चिकित्सकों की अवैध वसूली पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान मैंने पाया कि, जिले की मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रोगी हितों की सुरक्षा सहित चिकित्सा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **तथ्य सहित सुझाव** कार्यवाही हेतु आपके समक्ष सादर प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद के मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों(लगभग 90–95%) द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। तथा निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा कार्यवाही में फर्जी प्रपत्रों को शामिल कर गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं **यथा** सरकारी एंबुलेंस के रोगियों का सरकारी अस्पताल की जगह निजीअस्पताल में इलाज जहाँ रेटलिस्ट, बिलबाउचर्स अभाव के औचक निरीक्षण से सिद्ध हो जाएगा कि इनकी अवैध वसूली व्यक्ति–समाज के लिए अत्यंत घातक है, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
2. यह कि, जिले के **लगभग सभी आयुर्वेदिक चिकित्सक अपने निजी अस्पतालों में एलोपैथी दवाइयां–चिकित्सा दे रहे हैं** तथा अमानक अल्ट्रासाउंड, ब्लड–रोग, आई–लेंस जांच केंद्र एवं मेडिकलस्टोर्स द्वारा मनमानी रकम **लेने के बावजूद बिल–बाउचर नहीं दिए जाते हैं** तथा बिल–रसीद मांगने पर अभद्रता कर लोगों को अपमानित किया जाता है। चिकित्सा नियमों की उपेक्षा जनता के लिए अभिशाप बने हुए हैं। अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, चिकित्सकों द्वारा मानक उपेक्षा के बावजूद इनके विरूद्ध कार्यवाही में जांच अधिकारियों का मेल–मिलाप एवं प्रोत्साहित किए जाने के संकेत सिद्ध हो रहे हैं। **अंकुश लगना चाहिए।**
3. यह कि, **अनेक सरकारी चिकित्सक सहित निजी चिकित्सक ऐसे हैं जो निजी–किराए के आवासों एव नर्सिंगहोम में चिकित्सा व्यापार कर रहे हैं।** निजी नर्सिंगहोम व अस्पतालों में **शुल्क सूची** न लगाकर अधिकांश संचालकों–चिकित्सकों द्वारा मरीजों से दैनिक पंजीयन–चिकित्सा सुविधाओं के नाम पर बड़ी रकम अग्रिम जमा कराकर 1–2 दिन चिकित्सा खानापूर्ति कर हड़प ली जाती है और गलत ढंग से परामर्श देकर रोगियों को महानगरों के अस्पतालों में भेजकर बड़ा कमीशन कमाया जा रहा है। यदि कोई मरीज इनकी मनमानी शुल्क–कमीशन धनराशि देने में अक्षम रहता है तो उसे मरीज छोड़ जाने हेतु बाद्ध किया जाता है और रोगी के गरीब परिजनों की मजबूरी का अवैध लाभ उठाया जा रहा है। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
4. यहकि, जिले में अनेक फार्मासिस्ट डिप्लोमा–डिग्री धारी हैं जो अन्य स्थानों पर नौकरी करने के बावजूद अपने **प्रमाण–पत्र किराए पर दिए हुए हैं** जिनके **आधार पर फार्मासिस्टहीन अधिकांश मेडिकलस्टोर्स** संचालित हैं, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
5. यह कि, अनेक **अस्पताल रा.आ.चि.लिंजीगंज** की भांति चल रहे हैं जहाँ चिकि–फार्मा गायब,**स्वीपर मरीजों के इलाज में जुटे हैं।**
6. यह कि, अधिकांश निजी अस्पताल–नर्सिंगहोस **निजी आवासों में संचालित** हो रहे हैं जिनकी व्यवस्था व समितियां अमानक हैं।
7. यह कि, सरकारी चिकित्सक ऐसे हैं जो **फर्रूखाबाद आवास की निजी हवेली एवं अस्पताल का संचालन छुपाकर पदासीन हैं।**

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, अमानक चिकित्सा, नर्सिंगहोम, अस्पतालों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। चिकित्सा अधिनियम, रेटसूची, भुगतान रसीद की उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए। मानकीय व्यवस्था अनुरूप चिकित्सा जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–28–07–2017

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

RL FATEHGARH <209601>
RL B RU722368238IN
Counter No:2,OP-Code:OP
To:HDESAK,
LKO, PIN:226001
From:DR NEETU SINGH , FTG
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,31/07/2017 ,15:02
<Track on www.indiapost.gov.in>>

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

पत्रांकः-240 / जौलाई / 2017 / दि.28.07.2017 मोबाइल–9389766228

सेवा में, प्रमुख सचिव / निदेशक, गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

विषयः'मानकविहीन निजी अस्पताल, नर्सिंगहोम, मेडिकलस्टोर एवं चिकित्सकों की अवैध वसूली पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान मैंने पाया कि, जिले की मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रोगी हितों की सुरक्षा सहित चिकित्सा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **तथ्य सहित सुझाव** कार्यवाही हेतु आपके समक्ष सादर प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद के मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों(लगभग 90–95%) द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। तथा निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा कार्यवाही में फर्जी प्रपत्रों को शामिल कर गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं **यथा** सरकारी एंबुलेंस के रोगियों का सरकारी अस्पताल की जगह निजीअस्पताल में इलाज जहाँ रेटलिस्ट, बिलबाउचर्स अभाव के औचक निरीक्षण से सिद्ध हो जाएगा कि इनकी अवैध वसूली व्यक्ति–समाज के लिए अत्यंत घातक है, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
2. यह कि, जिले के **लगभग सभी आयुर्वेदिक चिकित्सक अपने निजी अस्पतालों में एलोपैथी दवाइयां–चिकित्सा दे रहे हैं** तथा अमानक अल्ट्रासाउंड, ब्लड–रोग, आई–लेंस जांच केंद्र एवं मेडिकलस्टोर्स द्वारा मनमानी रकम **लेने के बावजूद बिल–बाउचर नहीं दिए जाते हैं** तथा बिल–रसीद मांगने पर अभद्रता कर लोगों को अपमानित किया जाता है। चिकित्सा नियमों की उपेक्षा जनता के लिए अभिशाप बने हुए हैं। अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, चिकित्सकों द्वारा मानक उपेक्षा के बावजूद इनके विरूद्ध कार्यवाही में जांच अधिकारियों का मेल–मिलाप एवं प्रोत्साहित किए जाने के संकेत सिद्ध हो रहे हैं। **अंकुश लगना चाहिए।**
3. यह कि, **अनेक सरकारी चिकित्सक सहित निजी चिकित्सक ऐसे हैं जो निजी–किराए के आवासों एव नर्सिंगहोम में चिकित्सा व्यापार कर रहे हैं।** निजी नर्सिंगहोम व अस्पतालों में **शुल्क सूची** न लगाकर अधिकांश संचालकों–चिकित्सकों द्वारा मरीजों से दैनिक पंजीयन–चिकित्सा सुविधाओं के नाम पर बड़ी रकम अग्रिम जमा कराकर 1–2 दिन चिकित्सा खानापूर्ति कर हड़प ली जाती है और गलत ढंग से परामर्श देकर रोगियों को महानगरों के अस्पतालों में भेजकर बड़ा कमीशन कमाया जा रहा है। यदि कोई मरीज इनकी मनमानी शुल्क–कमीशन धनराशि देने में अक्षम रहता है तो उसे मरीज छोड़ जाने हेतु बाद्ध किया जाता है और रोगी के गरीब परिजनों की मजबूरी का अवैध लाभ उठाया जा रहा है। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
4. यहकि, जिले में अनेक फार्मासिस्ट डिप्लोमा–डिग्री धारी हैं जो अन्य स्थानों पर नौकरी करने के बावजूद अपने **प्रमाण–पत्र किराए पर दिए हुए हैं** जिनके **आधार पर फार्मासिस्टहीन अधिकांश मेडिकलस्टोर्स** संचालित हैं, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
5. यह कि, अनेक **अस्पताल रा.आ.चि.लिंजीगंज** की भांति चल रहे हैं जहाँ चिकि–फार्मा गायब,**स्वीपर मरीजों के इलाज में जुटे हैं।**
6. यह कि, अधिकांश निजी अस्पताल–नर्सिंगहोस **निजी आवासों में संचालित** हो रहे हैं जिनकी व्यवस्था व समितियां अमानक हैं।
7. यह कि, सरकारी चिकित्सक ऐसे हैं जो **फर्रूखाबाद आवास की निजी हवेली एवं अस्पताल का संचालन छुपाकर पदासीन हैं।**

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, अमानक चिकित्सा, नर्सिंगहोम, अस्पतालों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। चिकित्सा अधिनियम, रेटसूची, भुगतान रसीद की उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए। मानकीय व्यवस्था अनुरूप चिकित्सा जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–28–07–2017

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
Univ. ity Grant Commission, Delhi

भारतीय डाक
India Post
RL FATEHGARH <209601>
RL B RU722368286IN
Counter No:2,OP-Code:OP
To:MUKH SACHIVE,BRAIJ
LKO, PIN:226001
From:DR NEETU SINGH , FTG
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,31/07/2017 ,15:01
<Track on www.indiapost.gov.in>

सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–9389766228

पत्रांक:-238 / जौलाई / 2017 / दि.28.07.2017

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

सेवा में, **मुख्य सचिव,**
उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।

विषय:'मानकविहीन निजी अस्पताल, नर्सिंगहोम, मेडिकलस्टोर एवं चिकित्सकों की अवैध वसूली पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान मैंने पाया कि, जिले की मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। रोगी हितों की सुरक्षा सहित चिकित्सा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **तथ्य सहित सुझाव** कार्यवाही हेतु आपके समक्ष सादर प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद के मानकविहीन निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों(लगभग 90–95%) द्वारा रोगियों से मनमानी शुल्क का अग्रिम नगद भुगतान लेने के बावजूद चिकित्सा शुल्क भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जा रहे हैं और रोगी द्वारा यदि बिल–रसीद की मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर जांच–दवा के नाम लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक चिकित्सा अनियमितताओं के कारण चिकित्सा मानकों सहित जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। तथा निजी अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, मेडिकलस्टोर्स एवं चिकित्सकों द्वारा चिकित्सा कार्यवाही में फर्जी प्रपत्रों को शामिल कर गंभीर अनियमितताएं की जा रही हैं **यथा** सरकारी एंबुलेंस के रोगियों का सरकारी अस्पताल की जगह निजीअस्पताल में इलाज जहाँ रेटलिस्ट, बिलबाउचर्स अभाव के औचक निरीक्षण से सिद्ध हो जाएगा कि इनकी अवैध वसूली व्यक्ति–समाज के लिए अत्यंत घातक है, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
2. यह कि, जिले के **लगभग सभी आयुर्वेदिक चिकित्सक अपने निजी अस्पतालों में एलोपैथी दवाइयां–चिकित्सा दे रहे हैं** तथा अमानक अल्ट्रासाउंड, ब्लड–रोग, आई–लेंस जांच केंद्र एवं मेडिकलस्टोर्स द्वारा मनमानी रकम **लेने के बावजूद बिल–बाउचर नहीं दिए जाते हैं** तथा बिल–रसीद मांगने पर अभद्रता कर लोगों को अपमानित किया जाता है। चिकित्सा नियमों की उपेक्षा जनता के लिए अभिशाप बने हुए हैं। अस्पतालों, नर्सिंगहोम्स, चिकित्सकों द्वारा मानक उपेक्षा के बावजूद इनके विरूद्ध कार्यवाही में जांच अधिकारियों का मेल–मिलाप एवं प्रोत्साहित किए जाने के संकेत सिद्ध हो रहे हैं। **अंकुश लगना चाहिए।**
3. यह कि, **अनेक सरकारी चिकित्सक सहित निजी चिकित्सक ऐसे हैं जो निजी–किराए के आवासों एव नर्सिंगहोम में चिकित्सा व्यापार कर रहे हैं।** निजी नर्सिंगहोम व अस्पतालों में **शुल्क सूची** न लगाकर अधिकांश संचालकों–चिकित्सकों द्वारा मरीजों से दैनिक पंजीयन–चिकित्सा सुविधाओं के नाम पर बड़ी रकम अग्रिम जमा कराकर 1–2 दिन चिकित्सा खानापूर्ति कर हड़प ली जाती है और गलत ढंग से परामर्श देकर रोगियों को महानगरों के अस्पतालों में भेजकर बड़ा कमीशन कमाया जा रहा है। यदि कोई मरीज इनकी मनमानी शुल्क–कमीशन धनराशि देने में अक्षम रहता है तो उसे मरीज छोड़ जाने हेतु बाद्ध किया जाता है और रोगी के गरीब परिजनों की मजबूरी का अवैध लाभ उठाया जा रहा है। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
4. यहकि, जिले में अनेक फार्मासिस्ट डिप्लोमा–डिग्री धारी हैं जो अन्य स्थानों पर नौकरी करने के बावजूद अपने प्रमाण–पत्र **किराए पर दिए हुए हैं** जिनके **आधार पर फार्मासिस्टहीन अधिकांश मेडिकलस्टोर्स** संचालित हैं, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
5. यह कि, अनेक **अस्पताल रा.आ.चि.लिंजीगंज** की भांति चल रहे हैं जहाँ चिकि–फार्मा गायब,स्वीपर मरीजों के इलाज में जुटे हैं।
6. यह कि, अधिकांश निजी अस्पताल–नर्सिंगहोस **निजी आवासों में संचालित** हो रहे हैं जिनकी व्यवस्था व समितियां अमानक हैं।
7. यह कि, सरकारी चिकित्सक ऐसे हैं जो **फर्रूखाबाद आवास की निजी हवेली एवं अस्पताल का संचालन छुपाकर पदासीन हैं।**

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, अमानक चिकित्सा, नर्सिंगहोम, अस्पतालों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। चिकित्सा अधिनियम, रेटसूची, भुगतान रसीद की उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए। मानकीय व्यवस्था अनुरूप चिकित्सा जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–28–07–2017

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grants Commission, Delhi

भारतीय डाक
India Post

RL FATEHGARH <209601>
RL B RU/223682272IN
Counter No:2,OP-Code:OP
To:S AYUKT,BRAIJ
FTG, PIN:209601
From:DR NEETU SINGH , FTG
Wt:20grams,
Amt:22.00 ,31/07/2017 ,15:01
<<Track on www.indiapost.gov.in>>

Relumakar
01-08-2017
Mob-7350025540

सिंह तोमर, एम.ए., पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

ुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

पत्रांकः–237 / जौलाई / 2017 / दि.28.07.2017 मोबाइल–9389766228

सेवा में, **सहायक आयुक्त,** गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

वाणिज्य कर विभाग, जनपद फर्रूखाबाद, स्थान फतेहगढ़।

विषयः'फर्म्स, दूकानों, व्यापारियों द्वारा वस्तु विक्रय भुगतानों में बिल–रसीद न देने की परम्परा पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान पाया कि, जिले की फर्म्स, वाणिज्यक, दूकानों, प्रतिष्ठानों के व्यापारी–दूकानदार(लगभग 90–95%) द्वारा खुले–बाजार में वस्तुओं की मनमानी कीमतें एवं नकद भुगतान लेने के बावजूद विक्रय वस्तु भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जाते हैं और क्रेता द्वारा यदि बिल–रसीद मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखाकर लेटरपैड–स्लिप पर वस्तु कीमत लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक अनियमितताओं के कारण वाणिज्यक मानकों सहित राज्य एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। क्रेता हितों की सुरक्षा सहित वाणिज्यक व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **तथ्य सहित सुझाव** कार्यवाही हेतु आपके समक्ष सादर प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद की फर्म्स, दूकानों, वाणिज्यक प्रतिष्ठानों के व्यापारियों–दूकानदारों(लगभग 90–95%) द्वारा खुले–बाजार में वस्तुओं की मनमानी कीमतें एवं नकद भुगतान लेने के बावजूद विक्रय वस्तु भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जाते हैं और क्रेता द्वारा यदि बिल–बाउचर मांग पर यदि जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर वस्तु कीमत लिख रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से वित्तीय अनियमितताओं के कारण वाणिज्यक मानकों सहित राज्य एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है तथा फर्म्स, व्यापारियों, दूकानदारों द्वारा टैक्स कार्यवाही में फर्जी प्रपत्र शामिल कर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं की जा रही हैं **यथा** ज्वैलर्स, बुकसेलर्स, क्लाथमर्चेंट्स, कोल्ड, नर्सिंगहोम्स, जनरल स्टोर्स, लायर्स चिकित्सक–ट्यूशनर्स–काउंसलर्स शुल्ककेंद्र, मिल्क–कोल्ड दूकानों, व्यापारों के औचक निरीक्षण से सिद्ध हो जाएगा कि इनकी अवैध वसूली व्यक्ति–समाज के लिए अत्यंत घातक है, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
2. यह कि, डेरी दूध–मट्ठा एवं कोल्ड ड्रिंक की सभी दूकानों पर प्रोडेक्ट की **पैकिंग पर अंकित अधिकतम मूल्य से भी अधिक कीमत लेकर बेंचने के बावजूद बिल–बाउचर नहीं दिए जा रहे हैं** तथा अधिक कीमत के विरोध पर दूकानदारों द्वारा अभद्रता कर क्रेताओं को अपमानित किया जा रहा है तथा अमूल, नमस्तेइंडिया आदि के कस्मरकेयर में कंपलेंट उपभोक्ताओं के हितों के प्रतिकूल सिद्ध हो रहीं हैं। दबंग व्यापारियों–दूकानदारों द्वारा व्यापारिक नियमों की उपेक्षा के बावजूद इनके विरूद्ध कार्यवाही के स्थान पर मेल–मिलाप व प्रोत्साहित किए जाने के संकेत प्रमाणित हो रहे हैं। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
3. यह कि, अनेक सरकारी चिकित्सक सहित निजी चिकित्सक ऐसे हैं जो अपने आवासों–किराए के मकानों एवं नर्सिंगहोम्स में चिकित्सा व्यापार कर रहे हैं। निजी नर्सिंगहोम व अस्पतालों में **शुल्क सूची** न लगाकर अधिकांश संचालकों–चिकित्सकों द्वारा मरीजों से पंजीयन–चिकित्सा सुविधाओं के नाम पर बड़ी रकम अग्रिम जमा कराकर 1–2 दिन चिकित्सा खानापूर्ति कर हड़प ली जाती है और गलत ढंग से परामर्श देकर रोगियों को महानगरों के अस्पतालों में भेजकर बड़ा कमीशन कमाया जा रहा है। यदि कोई मरीज इनकी मनमानी शुल्क–कमीशन धनराशि देने में अक्षम रहता है तो उसे मरीज छोड़ जाने हेतु बाद्ध किया जाता है और रोगी के तामीरदार की मजबूरी का अवैध लाभ कमाया जा रहा है। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
4. यहकि, जिले में अनेक रहीस ऐसे हैं जो धन–पद प्रभाव से उद्योग अपने निवासों में संचालित कर हैं और मानको की उपेक्षा कर मकान–दूकान किराया, ऐजेंसी स्टोर्स, कोचिंग, दलाली आदि से अवैधलाभ ले रहे हैं। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
5. यह कि, अधिकांश व्यापारी 1 भवन में अनेक उद्योग व्यापार संचालित कर रहे हैं यथा कोल्ड में लेदर, कांवेंट, दूकानें, आदि।
6. यह कि, जिले के अधिकांश व्यापारी अवैध कंपनी–समिति बनाकर अमानक कंपनियों एवं कांवेंट स्कूल संचालित कर रहे हैं।
7. यह कि, अधिकांश रहीस अपने भवनों को किराए पर देकर किराया रसीद नहीं दे रहे हैं तथा किराया व्यापार को छुपा रहे है।

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, फर्रूखाबाद जिले के अमानक व्यवसायों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। वाणिज्य अधिनियम, कर, निर्धारित मूल्यों की उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए। मानकीय व्यवस्था अनुरूप व्यापार जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–28–07–2017

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow,
University Grant Commission, Delhi

डॉ.नीतू सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

पत्रांकः– 234/जौलाई/2017/दि.28.07.2017

मोबाइल–9389766228

सेवा में, **अपर मुख्य वाणिज्य अधिकारी,**
वाणिज्य कर विभाग, उत्तर प्रदेश, विभूति खंड, लखनऊ।

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

विषयः'फर्म्स, दूकानों, व्यापारियों द्वारा वस्तु विक्रय भुगतानों में बिल–रसीद न देने की परम्परा पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण एवं जनसम्पर्क के दौरान पाया कि, जिले की फर्म्स, वाणिज्यक, दूकानों, प्रतिष्ठानों के व्यापारी–दूकानदार(लगभग 90–95%) द्वारा खुले–बाजार में वस्तुओं की मनमानी कीमतें एवं नकद भुगतान लेने के बावजूद विक्रय वस्तु भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जाते हैं और क्रेता द्वारा यदि बिल–रसीद मांग जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखाकर लेटरपैड–स्लिप पर वस्तु कीमत लिखकर रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से व्यापारिक अनियमितताओं के कारण वाणिज्यक मानकों सहित राज्य एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। क्रेता हितों की सुरक्षा सहित वाणिज्यक व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **तथ्य सहित सुझाव** कार्यवाही हेतु आपके समक्ष सादर प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद की फर्म्स, दूकानों, वाणिज्यक प्रतिष्ठानों के व्यापारियों–दूकानदारों(लगभग 90–95%) द्वारा खुले–बाजार में वस्तुओं की मनमानी कीमतें एवं नकद भुगतान लेने के बावजूद विक्रय वस्तु भुगतान के बिल–रसीद नहीं दिए जाते हैं और क्रेता द्वारा यदि बिल–बाउचर मांग पर यदि जोर दिया जाता है तो उन्हें दबंगई दिखा लेटरपैड–स्लिप पर वस्तु कीमत लिख रद्दी–चिफुरी पकड़ा दी जाती है। अवैध बिल–बाउचर से वित्तीय अनियमितताओं के कारण वाणिज्यक मानकों सहित राज्य एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है तथा फर्म्स, व्यापारियों, दूकानदारों द्वारा टैक्स कार्यवाही में फर्जी प्रपत्र शामिल कर गंभीर वित्तीय अनियमितताएं की जा रही हैं **यथा** ज्वैलर्स, बुकसेलर्स, क्लाथमर्चेंट्स, कोल्ड, नर्सिंगहोम्स, जनरल स्टोर्स, लायर्स चिकित्सक–ट्यूशनर्स–काउंसलर्स शुल्ककेंद्र, मिल्क–कोल्ड दूकानों, व्यापारों के औचक निरीक्षण से सिद्ध हो जाएगा कि इनकी अवैध वसूली व्यक्ति–समाज के लिए अत्यंत घातक है, **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
2. यह कि, डेरी दूध–मट्ठा एवं कोल्ड ड्रिंक की सभी दूकानों पर प्रोडेक्ट की **पैकिंग पर अंकित अधिकतम मूल्य से भी अधिक कीमत लेकर बेंचने के बावजूद बिल–बाउचर नहीं दिए जा रहे हैं** तथा अधिक कीमत के विरोध पर दूकानदारों द्वारा अभद्रता कर क्रेताओं को अपमानित किया जा रहा है तथा अमूल, नमस्तेइंडिया आदि के कस्मरकेयर में कंपलेंट उपभोक्ताओं के हितों के प्रतिकूल सिद्ध हो रहीं हैं। दबंग व्यापारियों–दूकानदारों द्वारा व्यापारिक नियमों की उपेक्षा के बावजूद इनके विरूद्ध कार्यवाही के स्थान पर मेल–मिलाप व प्रोत्साहित किए जाने के संकेत प्रमाणित हो रहे हैं। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
3. यह कि, अनेक सरकारी चिकित्सक सहित निजी चिकित्सक ऐसे हैं जो अपने आवासों–किराए के मकानों एवं नर्सिंगहोम्स में चिकित्सा व्यापार कर रहे हैं। निजी नर्सिंगहोम व अस्पतालों में **शुल्क सूची** न लगाकर अधिकांश संचालकों–चिकित्सकों द्वारा मरीजों से पंजीयन–चिकित्सा सुविधाओं के नाम पर बड़ी रकम अग्रिम जमा कराकर 1–2 दिन चिकित्सा खानापूर्ति कर हड़प ली जाती है और गलत ढंग से परामर्श देकर रोगियों को महानगरों के अस्पतालों में भेजकर बड़ा कमीशन कमाया जा रहा है। यदि कोई मरीज इनकी मनमानी शुल्क–कमीशन धनराशि देने में अक्षम रहता है तो उसे मरीज छोड़ जाने हेतु बाद्ध किया जाता है और रोगी के तामीरदार की मजबूरी का अवैध लाभ कमाया जा रहा है। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
4. यहकि, जिले में अनेक रहीस ऐसे हैं जो धन–पद प्रभाव से उद्योग अपने निवासों में संचालित कर हैं और मानको की उपेक्षा कर मकान–दूकान किराया, ऐजेंसी स्टोर्स, कोचिंग, दलाली आदि से अवैधलाभ ले रहे हैं। **तत्काल अंकुश लगना चाहिए।**
5. यह कि, अधिकांश व्यापारी 1 भवन में अनेक उद्योग व्यापार संचालित कर रहे हैं यथा कोल्ड में लेदर, कांवेंट, दूकानें, आदि।
6. यह कि, जिले के अधिकांश व्यापारी अवैध कंपनी–समिति बनाकर अमानक कंपनियों एवं कांवेंट स्कूल संचालित कर रहे हैं।
7. यह कि, अधिकांश रहीस अपने भवनों को किराए पर देकर किराया रसीद नहीं दे रहे हैं तथा किराया व्यापार को छुपा रहे है।

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, फर्रूखाबाद जिले के अमानक व्यवसायों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। वाणिज्य अधिनियम, कर, निर्धारित मूल्यों की उपेक्षा पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए। मानकीय व्यवस्था अनुरूप व्यापार जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–28–07–2017

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

RL KOTWALI ROAD <209601>
A RU539408718IN
Counter No:1,OP-Code:02
To:PRAMUK SACHIV,MADYAMIC SHIKSHA
UP GOVT LUCKNOW, PIN:226001
From:DR.NEETU S[redacted], PDF UNIVERCITY GRANT COMMISS[redacted]
Wt:20grams,
PS:22.00, ,24/07/2017 ,14:21
<<Track on www.indiapost.gov.in>>

Delivered on 27-7-2017 at 15:41

ह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002
मोबाइल–9389766228

पत्रांकः–233 / जौलाई / 2016 / दि.24.07.2017

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

सेवा में,

प्रमुख सचिव, माध्यमिकशिक्षा,
उ.प्र.शासन, एनेक्सी भवन, उत्तर प्रदेश।

विषयः 'फर्रूखाबाद जिले के स्टोर्स–आवास व डिग्री–इंटर कालेजों में संचालित कांवेट–कोचिंग पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण व जनसम्पर्क के दौरान जिले के शीतगृहों, आवासों, इंटर–डिग्री कालेजों, झोपडियों में कांवेट सहित प्राइमरी व सेंट्रल बोर्ड एवं कोचिंग–ट्यूशन की कक्षाएं संचालित होते मिलीं। जिले में खुले रूप से संचालित अवैध शिक्षण कक्षाओं से शैक्षिक अनियमितताओं के कारण शिक्षा मानकों सहित छात्रों एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **सुझाव–तथ्य** आपके समक्ष त्वरित कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद जनपद के विद्यालयों के पंजीकृत अधिकांश छात्र–छांत्राएं विद्यालय शिक्षण अवधि में कक्षाओं में न जाकर कोचिंग–ट्यूशन पड़ रहे हैं इसके बावजूद स्कूल शिक्षकं अनुपस्थित छात्रों की कक्षाओं में फर्जी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं यथा पब्लिक स्कूलों, उच्च–माध्यमिक स्कूलों, डिग्रीकालेजों एवं नगरक्षेत्र बस्तियों में औचक निरीक्षण से स्वतः प्रमाणित हो जाएगा।

2. यह कि, जनपद के शीतगृहों, निजी आवासों, इंटर–डिग्री कालेजों, झोपडियों में कांवेट सहित प्राइमरी व सेंट्रल बोर्ड एवं कोचिंग–ट्यूशन की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। **यथा** रेलवेरोड फर्रूखाबाद, बाबा मथुरागिरि इंटरकालेज, सकवाई कालेज, सिटीकालेज, आवासविकास आवास, किदवईनगर आदि दबंग प्रबंधकों–शिक्षकों–व्यापारियों नेताओं के हैं, जिनके विरूद्ध कार्य वाही के स्थान पर शिक्षा–प्रशासनिक अधिकारियों के मेल–मिलाप एवं प्रोत्साहित किए जाने के संकेत प्रमाणित हो रहे हैं।

3. यह कि, समाचारपत्रों में प्रकाशित फर्रूखाबाद के बेसिक स्कूलों से संबंधित समाचारों एवं विज्ञापनों के अवलोकन से प्रमाणित होता है कि कि कुछ अधिकारी व कर्मचारी उ.प्र.कर्मचारी आचार संहिता का जबरदस्त उल्लंघन कर फर्रूखाबाद की अपनी निजी हवेली में स्थाई आवास छुपाकर लंबी अवधि से पदासीन होकर शिक्षा माफियाओं का सहयोग कर धन उगाही करने में जुटे हैं। इनके कार्य एवं निरीक्षण विभाग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप न होकर अवैध दबाव बनाकर निजी लाभ उद्देश्य से सीमित रहकर समाचारपत्रों में विज्ञापन–समाचार प्रकाशित कराना है। **यथा** विभाग के गोपनीय पत्रों एवं औचक निरीक्षण तथ्यों की गोपनीयता भंगकर गोपनीय रिकार्ड मनमाने ढंग से प्रकाशित कराया जा रहा है तत्काल अंकुश लगना चाहिए।

4. यह कि, जिले के अनेक शिक्षक ऐसे हैं जो राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, रहीसों के बेटा, बेटी, पत्नी, बहू, भाई, भौजाई, बहिन, बहनोई, सास,ससुर आदि सगे–संबंधी हितबद्ध तथा एडिड कालेजों, पब्लिकस्कूलों, कोचिंग केंद्रों के संचालक, प्रबंधक, शिक्षक, व्यापारी–उद्योगपति हैं जो कभी पढ़ाने नहीं जाते, इसके बावजूद उनकी नौकरी–वेतन जारी है।

4. यह कि, जिले के अनेक शिक्षक ऐसे हैं जो राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, रहीसों के बेटा, बेटी, पत्नी, बहू, भाई, भौजाई, बहिन, बहनोई, सास,ससुर आदि सगे–संबंधी हितबद्ध तथा एडिड कालेजों, पब्लिकस्कूलों, कोचिंग केंद्रों के संचालक, प्रबंधक, शिक्षक, व्यापारी–उद्योगपति हैं जो कभी पढ़ाने नहीं जाते, इसके बावजूद उनकी नौकरी–वेतन जारी है।

5. यहकि, जिले में अनेक विद्यालय ऐसे भी हैं जहाँ धन–पद के प्रभाव में शिक्षक अपने निवास स्थान के स्कूल में पदासीन हैं और शिक्षामानको की जबरदस्त उपेक्षाकर कोचिंग व्यापार सहित राजनैतिकदलों में सक्रिय होकर अवैधलाभ कमाने में जुटे हैं।

6. यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में जहाँ छात्र संख्या पर्याप्त एवं शिक्षकों का अभाव है वहाँ बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. कक्षाओं के जाकर शिक्षण कार्य करने में योगदान नहीं दे रहे हैं।

7. यह कि, जिले के निजी एवं कांवेण्ट स्कूलों में बड़ी आयु के नर्सरी से 5 के छात्र बने मिले हैं जिन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने के बावजूद जब उन्हे कोई योग्यता नहीं मिली तो यहाँ निम्न क्लासों में एडमीशन लेना पड़ा और पढ़ रहे हैं।

8. यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों के अधिकांश छात्रों ने बताया कि यहाँ पढ़ाई न होने के कारण वह प्राइवेट स्कूलों के छात्र हैं, वहीं पढ़ने जाते हैं यदा–कदा यहाँ आकर खाना, ड्रेस, पुस्तकें ले जाते हैं। जब कोई अधिकारी आता है तो हमें प्राइवेट स्कूल से बुला लिया जाता है।

9. यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनाप–शनाप धन व्यय किया जा रहा है इसके बावजूद ग्रामसभा के सफाईकर्मी से काम कराया जाना जबकि गांवों में सफाई नहीं होती है,उचित नहीं है।

10. यहकि, उक्त स्थिति में शासन द्वारा प्रदत्त मानक, शिक्षक, शिक्षण व्यवस्थाएँ आदि समाज के लिए अभिशाप सिद्ध हो रहीं हैं।

11. यह कि, जिले के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाई न होने एवं छात्रों के अज्ञानी बने रहने कारण कोई भी सक्षम व्यक्ति बच्चे को किसी भी स्थिति में सरकारी प्राथमिकस्कूलों में पढ़ाने को तैयार नहीं है यहाँ तक कि सरकारी स्कूलों के शिक्षक, रसोइया, प्रेरक, प्रधानाध्यापक, बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी., डी.सी., ए.बी.एस.ए.,बी.एस.ए. सहित कर्मचारी, अधिकारी, राजनेता सरकारी पदासीनता का वेतन–भत्तों की मोटी रकमें लेने के बावजूद अपने प्रतिपाल्यों को इन स्कूलों पढ़ाने को तैयार नहीं हैं क्योंकि कोई भी व्यक्ति जानबूझ कर अपने प्रतिपाल्यों का भविष्य नष्ट नहीं करना चाहता है।

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त सुझाव–तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, फर्रूखाबाद जिले के प्राथमिक, पूर्वमाध्यमिक, माध्यमिक, डिग्री कालेजों एवं निजी आवासों में संचालित अवैध एवं अमानकीय कक्षाओं, स्कूलों, कांवेंट कोचिंग, ट्यूशन पब्लिक स्कूलों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। कर्मचारी आचार संहिता की उपेक्षा एवं विभागीय गोपनीयता भंग पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। फर्जीबाड़ों, फर्जी कार्य, फर्जी संख्या पर नियुक्ति, जिला निजी हवेली छुपाकर तैनाती, मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए; मानकीय व्यवस्था अनुरूप शैक्षिक जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–24–07–2014

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

RL KOTWALI ROAD <209601>
A RU539408735IN
Counter No:1,OP-Code:02
To:BASIC SHIKHA VIBHAG,FARRUKHABAD
FATEHGARH, PIN:209601
From:DR.NEETU SA[illegible] PDF UNIVERCITY GRANT COMMISS[illegible]
Wt:20grams,
PS:22.00, ,24/07/2017 ,14:23
<<Track on www.indiapost.gov.in>>

[illegible] तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

[illegible]ायोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–9389766228

[illegible]2017

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

सेवा में,

निदेशक, बेसिक शिक्षा,

उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश।

विषयः फर्रूखाबाद जिले के स्टोर्स–आवास व डिग्री–इंटर कालेजों में संचालित कांवेट–कोचिंग पर अंकुश हेतु

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण व जनसम्पर्क के दौरान जिले के शीतगृहों, आवासों, इंटर–डिग्री कालेजों, झोपडियों में कांवेट सहित प्राइमरी व सेंट्रल बोर्ड एवं कोचिंग–ट्यूशन की कक्षाएं संचालित होते मिलीं। जिले में खुले रूप से संचालित अवैध शिक्षण कक्षाओं से शैक्षिक अनियमितताओं के कारण शिक्षा मानकों सहित छात्रों एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **सुझाव–तथ्य** आपके समक्ष त्वरित कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद जनपद के विद्यालयों के पंजीकृत अंधिकांश छात्र–छात्राएं विद्यालय शिक्षण अवधि में कक्षाओं में न जाकर कोचिंग–ट्यूशन पड़ रहे हैं इसके बावजूद स्कूल शिक्षक अनुपस्थित छात्रों की कक्षाओं में फर्जी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं यथा पब्लिक स्कूलों, उच्च–माध्यमिक स्कूलों, डिग्रीकालेजों एवं नगरक्षेत्र बस्तियों में औचक निरीक्षण से स्वतः प्रमाणित हो जाएगा।

2. यह कि, जनपद के शीतगृहों, निजी आवासों, इंटर–डिग्री कालेजों, झोपडियों में कांवेट सहित प्राइमरी व सेंट्रल बोर्ड एवं कोचिंग–ट्यूशन की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। **यथा** रेलवेरोड फर्रूखाबाद, बाबा मथुरागिरि इंटरकालेज, सकवाई कालेज, सिटीकालेज, आवासविकास आवास, किदवईनगर आदि। दबंग प्रबंधकों–शिक्षकों–व्यापारियों नेताओं के हैं, जिनके विरूद्ध कार्य वाही के स्थान पर शिक्षा–प्रशासनिक अधिकारियों के मेल–मिलाप एवं प्रोत्साहित किए जाने के संकेत प्रमाणित हो रहे हैं।

3. यह कि, समाचारपत्रों में प्रकाशित फर्रूखाबाद के बेसिक स्कूलों से संबंधित समाचारों एवं विज्ञापनों के अवलोकन से प्रमाणित होता है कि कि कुछ अधिकारी व कर्मचारी उ.प्र.कर्मचारी आचार संहिता का जबरदस्त उल्लंघन कर फर्रूखाबाद की अपनी निजी हवेली में स्थाई आवास छुपाकर लंबी अवधि से पदासीन होकर शिक्षा माफियाओं का सहयोग कर धन उगाही करने में जुटे हैं। इनके कार्य एवं निरीक्षण विभाग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप न होकर अवैध दबाव बनाकर निजी लाभ उद्देश्य से सीमित रहकर समाचारपत्रों में विज्ञापन–समाचार प्रकाशित कराना है। **यथा** विभाग के गोपनीय पत्रों एवं औचक निरीक्षण तथ्यों की गोपनीयता भंगकर गोपनीय रिकार्ड मनमाने ढंग से प्रकाशित कराया जा रहा है तत्काल अंकुश लगना चाहिए।

4. यह कि, जिले के अनेक शिक्षक ऐसे हैं जो राजनेताओं, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, व्यापारियों, रहीसों के बेटा, बेटी, पत्नी, बहू, भाई, भौजाई, बहिन, बहनोई, सास,ससुर आदि सगे–संबंधी हितबद्ध तथा एडिड कालेजों, पब्लिकस्कूलों, कोचिंग केंद्रों के संचालक, प्रबंधक, शिक्षक, व्यापारी–उद्योगपति हैं जो कभी पढ़ाने नहीं जाते, इसके बावजूद उनकी नौकरी–वेतन जारी है।

P.T.O

5. यहकि, जिले में अनेक विद्यालय ऐसे भी हैं जहाँ धन–पद के प्रभाव में शिक्षक अपने निवास स्थान के स्कूल में पदासीन हैं और शिक्षामानको की जबरदस्त उपेक्षाकर कोचिंग व्यापार सहित राजनैतिकदलों में सक्रिय होकर अवैधलाभ कमाने में जुटे हैं।

6. यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में जहाँ छात्र संख्या पर्याप्त एवं शिक्षकों का अभाव है वहाँ बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी. कक्षाओं के जाकर शिक्षण कार्य करने में योगदान नहीं दे रहे हैं।

7. यह कि, जिले के निजी एवं कांवेण्ट स्कूलों में बड़ी आयु के नर्सरी से 5 के छात्र बने मिले हैं जिन्होंने बताया कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने के बावजूद जब उन्हे कोई योग्यता नहीं मिली तो यहाँ निम्न क्लासों में एडमीशन लेना पड़ा और पढ़ रहे हैं।

8. यह कि, जनपद के अधिकांश प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों के अधिकांश छात्रों ने बताया कि यहाँ पढ़ाई न होने के कारण वह प्राइवेट स्कूलों के छात्र हैं, वहीं पढ़ने जाते हैं यदा–कदा यहाँ आकर खाना, ड्रेस, पुस्तकें ले जाते हैं। जब कोई अधिकारी आता है तो हमें प्राइवेट स्कूल से बुला लिया जाता है।

9. यह कि, जिले के अधिकांश प्राथमिक व उच्च प्राथमिक स्कूलों में बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनाप–शनाप धन व्यय किया जा रहा है इसके बावजूद ग्रामसभा के सफाईकर्मी से काम कराया जाना जबकि गांवों में सफाई नहीं होती है,उचित नहीं है।

10. यहकि, उक्त स्थिति में शासन द्वारा प्रदत्त मानक, शिक्षक, शिक्षण व्यवस्थाएँ आदि समाज के लिए अभिशाप सिद्ध हो रहीं हैं।

11. यह कि, जिले के प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में पढ़ाई न होने एवं छात्रों के अज्ञानी बने रहने कारण कोई भी सक्षम व्यक्ति बच्चे को किसी भी स्थिति में सरकारी प्राथमिकस्कूलों में पढ़ाने को तैयार नहीं है यहाँ तक कि सरकारी स्कूलों के शिक्षक, रसोइया, प्रेरक, प्रधानाध्यापक, बी.आर.सी., एन.पी.आर.सी., डी.सी., ए.बी.एस.ए.,बी.एस.ए. सहित कर्मचारी, अधिकारी, राजनेता सरकारी पदासीनता का वेतन–भत्तों की मोटी रकमें लेने के बावजूद अपने प्रतिपाल्यों को इन स्कूलों पढ़ाने को तैयार नहीं हैं क्योंकि कोई भी व्यक्ति जानबूझ कर अपने प्रतिपाल्यों का भविष्य नष्ट नहीं करना चाहता है।

अतः अनुरोध सहित सुझाव है कि, उक्त सुझाव–तथ्यों पर गंभीरता पूर्वक विचार कर, फर्रूखाबाद जिले के प्राथमिक, पूर्वमाध्यमिक, माध्यमिक, डिग्री कालेजों एवं निजी आवासों में संचालित अवैध एवं अमानकीय कक्षाओं, स्कूलों, कांवेंट कोचिंग, ट्यूशन पब्लिक स्कूलों के संचालन पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। कर्मचारी आचार संहिता की उपेक्षा एवं विभागीय गोपनीयता भंग पर तत्काल अंकुश लगना चाहिए। फर्जीबाड़ों, फर्जी कार्य, फर्जी संख्या पर नियुक्ति, जिला निजी हवेली छुपाकर तैनाती, मानक उपेक्षा दंडनीय होनी चाहिए। मानकीय व्यवस्था अनुरूप शैक्षिक जगत में गरिमामयी योगदान दिया जाना चाहिए।

दिनांक–24–07–2014

(डॉ.नीतू सिंह तोमर)
पोस्ट डॉक्टोरल फेलो
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली

Dr. NEETU SINGH
Post Doctoral Fellow
University Grant Commission, Delhi

डॉ.नीतू सिंह तोमर, एम.ए.,पी–एच.डी.(समाजशास्त्र)

पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, बहादुरशाह जफर मार्ग, दिल्ली–110002

मोबाइल–9389766228

पत्रांकः–230/जौलाई/2016/दि.24.07.2017

सेवा में,

अध्यक्ष/जिलाधिकारी,
जनपद शिक्षा समिति, फर्रूखाबाद।

गोपनीय एवं अति आवश्यकीय

माध्यम

जिला विद्यालय निरीक्षक,
सचिव, जिला शिक्षा समिति, जनपद फर्रूखाबाद, उत्तर प्रदेश।

विषयः 'फर्रूखाबाद जिले के स्टोर्स–आवास व डिग्री–इंटर कालेजों में संचालित कांवेट–कोचिंग पर अंकुश हेतु'

महोदय,

फर्रूखाबाद के दरिद्र व्यक्तियों की समस्याओं के निरीक्षण व जनसम्पर्क के दौरान जिले के शीतगृहों, आवासों, इंटर–डिग्री कालेजों, झोपडियों में कांवेट सहित प्राइमरी व सेंट्रल बोर्ड एवं कोचिंग–ट्यूशन की कक्षाएं संचालित होते मिलीं। जिले में खुले रूप से संचालित अवैध शिक्षण कक्षाओं से शैक्षिक अनियमितताओं के कारण शिक्षा मानकों सहित छात्रों एवं जनता का हित बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। शिक्षा व्यवस्था में सुधार हेतु अधोलिखित **सुझाव–तथ्य** आपके समक्ष त्वरित कार्यवाही हेतु प्रस्तुत हैं।

1. यह कि, फर्रूखाबाद जनपद के विद्यालयों के पंजीकृत अधिकांश छात्र–छात्राएं विद्यालय शिक्षण अवधि में कक्षाओं में न जाकर कोचिंग–ट्यूशन पड़ रहे हैं इसके बावजूद स्कूल शिक्षक अनुपस्थित छात्रों की कक्षाओं में फर्जी उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं यथा पब्लिक स्कूलों, उच्च–माध्यमिक स्कूलों, डिग्रीकालेजों एवं नगरक्षेत्र बस्तियों में औचक निरीक्षण से स्वतः प्रमाणित हो जाएगा।

2. यह कि, जनपद के शीतगृहों, निजी आवासों, इंटर–डिग्री कालेजों, झोपडियों में कांवेट सहित प्राइमरी व सेंट्रल बोर्ड एवं कोचिंग–ट्यूशन की कक्षाएं संचालित हो रही हैं। **यथा** रेलवेरोड फर्रूखाबाद, बाबा मथुरागिरि इंटरकालेज, सकवाई कालेज, सिटीकालेज, आवासविकास आवास, किदवईनगर आदि। दबंग प्रबंधकों–शिक्षकों–व्यापारियों नेताओं के हैं, जिनके विरूद्ध कार्य वाही के स्थान पर शिक्षा–प्रशासनिक अधिकारियों के मेल–मिलाप एवं प्रोत्साहित किए जाने के संकेत प्रमाणित हो रहे हैं।

3. यह कि, समाचारपत्रों में प्रकाशित फर्रूखाबाद के बेसिक स्कूलों से संबंधित समाचारों एवं विज्ञापनों के अवलोकन से प्रमाणित होता है कि कि कुछ अधिकारी व कर्मचारी उ.प्र.कर्मचारी आचार संहिता का जबरदस्त उल्लंघन कर फर्रूखाबाद की अपनी निजी हवेली में स्थाई आवास छुपाकर लंबी अवधि से पदासीन होकर शिक्षा माफियाओं का सहयोग कर धन उगाही करने में जुटे हैं। इनके कार्य एवं निरीक्षण विभाग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप न होकर अवैध दबाव बनाकर निजी लाभ उद्देश्य से सीमित रहकर समाचारपत्रों में विज्ञापन–समाचार प्रकाशित कराना है। **यथा** विभाग के गोपनीय पत्रों एवं औचक निरीक्षण तथ्यों की गोपनीयता भंगकर गोपनीय रिकार्ड मनमाने ढंग से प्रकाशित कराया जा रहा है तत्काल अंकुश लगना चाहिए।

(P.T.O)